www.navpradesh.com

दैनिक **नव प्रदेश**

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | मध्यप्रदेश 4 | अभिव्यक्ति 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 | भोपाल, शनिवार 09 मई 2026 , कृष्ण पक्ष सप्तमी | विक्रम संवत -2083, वर्ष -10 अंक -9 पृष्ठ -08 मूल्य-4 | भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

सीएम यादव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से की सौजन्य भेंट

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में विकास का नया सूर्य होगा उदित

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद के लिए चयनित सुवेंदु अधिकारी को बधाई और मंगलकामनाएं दी हैं।

पश्चिम बंगाल का अब होगा तीव्र विकास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल में विधायक दल के नए नेता सुवेंदु अधिकारी के चयन पर कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुसार महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन किया है। आजादी के 75वें वर्ष में पश्चिम बंगाल में नागरिकों ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उसके अनुसार नई

सरकार पश्चिम बंगाल की प्रगति सुनिश्चित करेगी। आने वाले समय में पश्चिम बंगाल तीव्र विकास करेगा और सुशासन और जनकल्याण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री पद का दायित्व सम्भालने जा रहे सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में विकास का नया सूर्य उदित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के विकास कार्यों की जानकारी दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन से मुलाकात में राष्ट्रीय, संगठनात्मक और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नबीन को मध्यप्रदेश आने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है और केंद्र तथा राज्य सरकार के समन्वय से जनता को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री प्रधान को शिक्षा के क्षेत्र ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

खुद को तुर्रमखां समझने वाली निर्ममता अगर सीधे से इस्तीफा दे देती तो यूं बेआबरू होकर कूचे से न निकलना पड़ता। सही बात हैं लातों के भूत बातों से कहां मानते हैं। वैसे उनके इस दावे में दम है कि वे हारी नहीं हैं उन्हें हराया गया है। वाकई उन्हें बुरी तरह से हराया गया है। बंगाल के हिंदूओं और नारी शक्ति ने वोट की चोट से उन्हें उनकी औकात दिखाई है जिन्हें अपने ही घरों में बेगानों की तरह रहना पड़ता था। बेशक वे अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं लेकिन वहां से भी उनके हाथ लगेगा बाबाजी का ठुल्लू।

तापमान	
अधिकतम 44°	न्यूनतम 27°

बाजार भाव	
गोल्ड 1,51,140	सिल्वर 2,54,798

शेयर बाजार	
सेंसेक्स 77,328.19	निफ्टी 24,176.15

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,291,743,121	1,474,975,253

एसईसीएल के नवनियुक्त निदेशक अरुण कुमार त्यागी का सड़क हादसे में निधन

कोरबा/गेवरा/नवप्रदेश। कोयला जगत से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के पूर्व महाप्रबंधक और हाल ही में 'निदेशक तकनीकी' (डीटी) के पद पर पदोन्नत हुए

अरुण कुमार त्यागी का गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में निधन हो गया। पदोन्नति के बाद नई जिम्मेदारी संभालने के उत्साह के बीच इस आकस्मिक हादसे ने पूरे कोयलांचल को स्तब्ध कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, श्री त्यागी अपनी नई पदस्थापना जॉइन करने के लिए सिंगरौली (एनलीएल) रवाना हुए थे। गुरुवार रात करीब 12:00 बजे कोरबा-चोटिया मार्ग (चोटिया के समीप) उनकी इनोवा कार और एक पार्सल वाहन के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हुई।

बंगाल में गरजे अमित शाह, कहा- घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे, महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी

राजतिलक की करो तैयारी, आ रहे सुवेंदु अधिकारी, आज ताजपोशी

कोलकाता/ए.। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। शाह ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी। सुवेंदु कल सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे। 56 साल के सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

अमित शाह के संबोधन की खास बातें

गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार: 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।

बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआ: 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया।

भाजपा के 3 से 207 विधायक हुए: हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है।

घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे: बंगाल के साथ पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है।

सीएम यादव ने पश्चिम बंगाल में विधायक दल का नेता चुने जाने पर सुवेन्दु अधिकारी को दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पश्चिम बंगाल में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने पर श्री सुवेन्दु अधिकारी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में नवनिर्वाचित सरकार में अब पश्चिम बंगाल राज्य की दशा और दिशा बदलने जा रही है।

एक्टर विजय का तमिलनाडु सीएम बनना तय

चेन्नई (ए.)। तमिलनाडु में एक्टर विजय का मुख्यमंत्री लगभग तय है। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम को लेफ्ट पार्टियों, सीपीआई और सीपीआई(एम) ने समर्थन दे दिया है। सूत्रों का दावा है कि विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) भी समर्थन देने को तैयार है।

टीवीके ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीती हैं। विजय दो सीटों पर जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। उन्हें सरकार बनाने के लिए और 11 विधायक चाहिए। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके को समर्थन दे चुके हैं। सीपीआई, सीपीआई (एम) और वीसीकेके पास 2-2, कुल 6 विधायक

हैं। ऐसे में टीवीके को सरकार बनाने के लिए जरूरी 118 विधायकों की संख्या पूरी हो गई है। इस बीच, टीवीके चीफ विजय ने आज लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा है। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अभी तक किसानों को उपार्जित गेहूँ का 10403.17 करोड़ रुपये हुआ भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गेहूँ उपार्जन की कर रहे सतत मॉनीटरिंग

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और सतत मॉनीटरिंग तथा उपार्जन केन्द्रों के औचक निरीक्षण के परिणामस्वरूप गेहूँ की उपार्जन प्रक्रिया सुगमता से जारी है। किसानों को समय पर उपार्जित गेहूँ का भुगतान हो रहा है। अभी तक किसानों को 10403.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गेहूँ का उपार्जन 23 मई तक होगा।

9.38 लाख किसानों से 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 38 हजार किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से ब?ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनीटरिंग की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार, कहा- बहुत हुआ, आदेश का पालन करें

भोपाल/नवप्रदेश। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- Enough is enough (बस बहुत हुआ),

अब हमारे आदेश का पालन कीजिए।

कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था

सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने स्ठ्ठ की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है।

इंदौर के पास रायकुंडा गांव में दिया था विवाद बयान

यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने इस ऑपरेशन की मीडिया ब्रीफिंग की थी। इसके बाद महू के रायकुंडा गांव में एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजय शाह ने कहा था, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा किया, हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी ही एक बहन को भेजा। इस बयान को कर्नल कुरैशी के धर्म से जोड़कर देखा गया, जिसकी हर तरफ निंदा हुई।जज ने कहा था- अदालत के आदेश ■ शेष पृष्ठ 6 पर

गरमा-गरम

राज्यपाल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर प्रदान किए सेवा सम्मान

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से जन-जन को करें प्रेरित : राज्यपाल पटेल

भोपाल/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति

रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित ÷सेवा सम्मान समारोह÷ को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समर्पित कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। मानवता की सेवा कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी सम्मानित जनों को सम्पूर्ण समाज के सच्चे नायक और प्रेरणा स्त्रोत बताया। मध्यप्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मेपकास्ट) ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अमेरिका ने सीजफायर तोड़कर ईरान पर फिर की बमबारी

- ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले करेंगे, होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है।

ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

संक्षिप्त खबरें

खरीफ सीजन के लिए प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

किसान ई–विकास पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं खाद की बुकिंग एवं उठाव

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। खरीफ फसलों की बोवनी की तैयारी हेतु जिला नर्मदापुरम में खाद एवं उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। खरीफ सीजन हेतु वर्तमान समय तक जिला नर्मदापुरम को लगभग 17669 मे.टन यूरिया, 5659 मे. टन टी.एस.पी. एवं 9074 मे.टन एन. पी. के उर्वरक प्राप्त हुआ है। जिसमें से 850 मे.टन यूरिया, 153 मे.टन टी.एस.पी, 282 मे. टन एन.पी. के. उर्वरका का वितरण किसानों को किया जा चुका। जिले के मार्कफेड गोदाम डबल लॉक केंद्र नर्मदापुरम में 2104 मे.टन यूरिया, 181 मे.टन टी एस.पी. इटारसी गोदाम में 1159 मे.टन यूरिया, 257 मे.टन टी.एस.पी., माखननगर गोदाम में 1104 मे.टन यूरिया, 315 मे.टन टी एस.पी. सिमरी हरचंद गोदाम में 1067 मे.टन यूरिया, 357 मे.टन टी.एस.पी. बानापुरा गोदाम में 2812 मे टन यूरिया, 153 मे. टन टी.एस.पी.एवं पिपरिया गोदाम में 1529 मे.टन यूरिया, 224 मे. टन टी.एस.पी.और सभी मार्कफेड गोदाम डबललॉक केन्द्रा ÷में 6447, मे.टन एन.पी.के. उर्वरक उपलब्ध है। इसी प्रकार जिला नर्मदापुरम की सहकारी समितियों में लगभग 3500 मे टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध है व निजी विक्रेताओं / दुकानदारों के पास भी पर्याप्त मात्रा में यूरिया एन.पी.के. व एस.एस.पी उर्वरक उपलब्ध है। विषम वैश्विक परिस्थितियो के उपरांत भी सरकार द्वारा जिला नर्मदापुरम में उर्वरको की आपूर्ति निर्बाध तथा तय कार्यक्रम अनुसार निरंतर की जा रही है। जिला नर्मदापुरम में उक्त उपलब्ध खाद सहकारी समितिवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्र वार, निजी दुकानदार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध है। किसान भाइयों से अनुरोध है कि अपनी फसल व खेत की मांग/आवश्यकतानुसार खाद अपनी सोसायटी या मार्कफेड गोदाम, डबल लॉक केन्द्र अथवा मनपसंद दुकान से ई-विकास पोर्टल के माध्यम से बुकिंग कर अपने खाद को उठा सकते है। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वनपट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान को, धार्मिक संस्थान/ट्रस्ट आदि की जमीन के लिए खाद उपलब्ध कराने हेतु सुविधा दी गयी है। किसान भाई खरीफ की फसलों की बोवनी हेतु फसलों की अनुशसित खाद की मात्रा अनुसार यूरिया, एस.एस.पी., एन.पी.के., डी.ए.पी., पोटाश खाद की पूर्णमात्रा को एक बार में ही उठा सकते हैं। यदि किसान भाई चाहे तो पुनः ई-विकास पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी मर्जी अनुसार खाद बुक कर, अपनी सुविधानुसार उठाव कर सकते हैं।

जल जीवन मिशन से बदल रही ग्रामीण जीवन की तस्वीर

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की निरंतर मॉनिटरिंग में योजनाओं के कार्य तेजी से हो रहे पूर्ण ग्राम दहलवाड़ा खुर्द में नल जल योजना पूर्ण होने पर मनाया गया जलोत्सव एवं निकाली गई कलश यात्रा

नर्मदापुरम/नवप्रदेश। हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में लगातार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रारंभ हुए इस महत्वाकांक्षी अभियान में नर्मदापुरम जिला, मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में एक सशक्त सहभागी के रूप में उभर रहा है। जिले में 92 प्रतिशत से अधिक योजनाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने हेतु निरंतर कार्यवाही जारी है। जल जीवन मिशन के माध्यम से अब ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। गांवों में घर-घर नलों से स्वच्छ जल पहुंचने लगा है, जिससे महिलाओं और ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाने की समस्या से राहत मिली है। घर के आंगन में उपलब्ध स्वच्छ पेयजल ने ग्रामीणों के जीवन में सुविधा के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। शुद्ध जल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आ रही है तथा महिलाओं को समय की बचत होने से वे कृषि, स्वरोजगार एवं अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की सतत मॉनिटरिंग एवं मार्गदर्शन में जिले में योजनाओं का कार्य तेजी से पूर्ण किया जा रहा है तथा योजनाओं के हस्तांतरण को ग्रामवासी उत्सव के रूप में मना रहे हैं। इसी उत्सव का उदाहरण बना जिले का ग्राम दहलवाड़ा। जिले के उपखंड पिपरिया अंतर्गत विकासखंड बनखेड़ी के ग्राम दहलवाड़ा खुर्द में नल जल योजना पूर्ण होने एवं ग्राम पंचायत को संचालन एवं संधारण हेतु हस्तांतरित किए जाने पर जलोत्सव एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। ग्रामवासियों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर योजना के सफल क्रियान्वयन पर हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर पूरे गांव में भव्य कलश यात्रा निकाली। कार्यक्रम में सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड पिपरिया रवि केलवा, केमिस्ट आराधना सोनी, टेक्नीशियन लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, टेक्नीशियन प्रफुल्ल भलाधरे, राम गोविंद चौबे, पुरुषोत्तम चौबे, राहुल मेहरा, सरपंच प्रतिनिधि मनोज राय सहित ग्रामवासी एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने नल जल योजना के पूर्ण होने पर हर्षोल्लास के साथ जलोत्सव मनाया।

वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत में सहयोग के लिए अधिवक्ताओं के साथ बैठक का आयोजन

बैतूल/नवप्रदेश। 9 मई को वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन पूरे जिले में किया जाएगा। अधिक से अधिक प्रकरणों में राजीनामा व निराकरण में सहयोग एवं चर्चा के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला अधिवक्ता संघ सभागार में समस्त अधिवक्ताओं के साथ बैठक की गई। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल ने बताया कि लोक अदालत से न केवल प्रकरण का निराकरण होता है, अपितु इससे दोनों पक्षों की आपसी वैमनस्यता खत्म हो जाती है। पक्षकारों की कोर्ट फीस की प्रक्रिया भी आसान हुई है। संघ के समस्त अधिवक्ताओं से विगत लोक अदालतों में निरंतर सहयोग प्राप्त हुआ है और इसी प्रकार वर्तमान लोक अदालत में भी सहयोग अपेक्षित है।

जब दीदियों ने संभाला तालाब, तो बदल गई गांव की तस्वीर

मंडई खुर्द की महिलाएं मछली पालन से बन रही आत्मनिर्भर

बैतूल/नवप्रदेश। बैतूल जिले के छोटे से गांव मंडई खुर्द में कभी एक सामुदायिक तालाब ऐसा भी था, जहां गांव के लोग सिर्फ बाहर से आने वाले मछुआरों को मछली पकड़ते देखते थे। चार एकड़ के इस तालाब से कमाई तो होती थी, लेकिन उसका लाभ गांव की महिलाओं तक कभी नहीं पहुंचता था। गांव की दीदियां वर्षों तक यह सब देखती रहीं। एक दिन समूह की बैठक में सवाल उठा जब बाहर वाले यह काम कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? यहीं से शुरू हुई आत्मनिर्भरता की वह कहानी, जिसने गांव की महिलाओं की पहचान बदल दी। 18 महिलाओं ने मिलकर ऊमछली रानी स्व-सहायता समूहऊबनाया। हर दीदी ने अपनी बचत से 1 हजार रुपए जोड़े। आजीविका मिशन एवं प्रदान संस्था ने 20 हजार

का सहयोग दिया। पंचायत को आवेदन दिया गया और पंचायत ने विश्वास जताते हुए चार एकड़ तालाब समूह को सौंप दिया। शुरुआत आसान नहीं थी। कई महिलाओं ने पहले कभी तालाब के भीतर उतरकर काम नहीं किया था, लेकिन सीखने का जज़्बा मजबूत था। दीदियां पवारखेड़ा और चोपना के एक्सपोजर विजिट पर गईं। आजीविका मिशन और प्रदान द्वारा उन्हें तालाब प्रबंधन, मछलियों के आहार, बीमारियों की पहचान, पानी की गुणवत्ता जांच और जैविक तरीके से तालाब तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। बिना किसी रासायनिक उपयोग के महुआ तेल केक, चूना, महाजाल और पोटैशियम परमैंगनेट से तालाब तैयार किया गया। इसके बाद रोहू, कतला, मृगल, कॉमन कार्प और ग्रास कार्प के कुल 136 किलो बीज तालाब में डाले गए। इसके बाद शुरू हुई असली परीक्षा। हर दिन दो-दो महिलाओं की टीम तालाब पर पहुँचती है। कोई मछलियों को खाना देती है, कोई पानी की स्थिति देखती है, तो कोई चोरी से सुरक्षा करती है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

जल संवर्द्धन के प्रति सभी को संवेदनशील रहने की जरूरत

- **जल गंगा संवर्द्धन अभियान अंतर्गत नदियों के गहरीकरण का भी कार्य किया जाए**
- **कृषक भ्रमण कार्यक्रम एवं कृषकों के सम्मान की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी जाए**
- **जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी कार्य हो – केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री उइके**
- **जिला प्रशासन के मिशन कोडशक्ति, विद्या आसन एवं कुपोषण से मुक्ति नवाचार सराहनीय**

हरदा/नवप्रदेश। भारत सरकार के अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके ने कहा कि जल संकट के निदान के लिये अधिक से अधिक जल संवर्द्धन के कार्य किये जाएं। जल संवर्द्धन के लिये प्रत्येक व्यक्ति को संवेदनशील रहने की जरूरत है। आज के संचित जल से ही भविष्य में जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य किये जाने की जरूरत है। जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत नदियों के संरक्षण एवं गहरीकरण के लिये भी कार्य किया जाए। श्री उईके शुक्रवार को आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में पूर्व विधायक श्री संजय शाह, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन सहित समिति सदस्य व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए विभाग द्वारा आयोजित किये जाने वाले कृषक भ्रमण कार्यक्रम एवं कृषकों के सम्मान कार्यक्रम में चयनित किये जाने वाले कृषकों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। साथ ही जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की भी कृषि एवं संबंधित विभागों से अपेक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा जिले के स्कूलों में प्रारम्भ किये गये मिशन कोड शक्ति एवं विद्या आसन अभियान जैसे नवाचारों की सराहना की गई। इसके अलावा कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिये जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारियों की बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने सराहनीय कार्य बताया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति की स्थिति की जानकारी ली गई। श्री उईके ने कहा कि जिले में चिकित्सा एवं पेरामेडिकल स्टाफ की पूर्ति के लिये आवश्यक जानकारी का ड्राफ्ट उनको दिया जाए। इसी तरह स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना की स्थिति पर भी श्री उईके ने समीक्षा की। साथ ही कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी शिक्षा की नींव मजबूत बने, इसके लिये वहां विषयवार शिक्षक नियुक्त किये जाएं। प्राथमिक, मिडिल, हाई स्कूल एवं हायर सेकण्ड्री स्कूलों में विषयवार शिक्षकों की प्रतिपूर्ति के लिये शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जाए। प्रत्येक शिक्षक अपने शैक्षणिक कार्य की प्रतिदिन, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं वार्षिक कार्ययोजना की डायरी तैयार करे। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्डधारियों के लिये उपचार व्यवस्था की जानकारी ली गई। साथ ही जिले को सीएसआर से मिली दो आधुनिक सुविधा युक्त एम्बुलेंस की भी सराहना की गई। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि जिले में ''आधुनिक स्वास्थ्य और आधुनिक हरदा'' अभियान चलाकर मरीजों को आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इस दौरान श्री उईके ने न्यूनतम मूल्य पर मिलने वाली दवाईयों की ''दवा इंडिया'' जैसी दुकानों का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचाने की स्वास्थ्य विभाग से अपेक्षा की। बैठक में शहरी क्षेत्रों में पेयजल एवं प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की स्थिति की भी जानकारी ली गई। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा अंतर्गत रोजगार की उपलब्धता, मजदूरों को मजदूरी का भुगतान, ग्रामीण आवास योजना एवं जल गंगा संवर्द्धन अभियान की भी समीक्षा की गई।

जिले के कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये बीएसएनएल के अधिकारियों को निर्देश दिये गये। विद्युत विभाग के अधिकारी ने बताया कि सोडलपुर में विद्युत उपकेन्द्र प्रारम्भ होने से क्षेत्र में विद्युत वॉल्टेज की समस्या का समाधान होगा। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम स?क योजना के तहत किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनार्न्तगत लंबित दावों के भुगतान की स्थिति, मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसानों को मिल रहे लाभ की स्थिति एवं कृषि विभाग अंतर्गत ड्रिप स्प्रिंकलर सिस्टम से लाभान्वित हितग्राहियों की जानकारी भी ली गई।

घोड़ाडोंगरी के ग्राम डुल्हारा और सिवनपाट में खनिज विभाग ने अवैध भंडारित कोयले को किया जप्त

कोयला के अवैध उत्खनन से बने गड्ढों को किया बंद

बैतूल/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत शुक्रवार को घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम डुल्हारा एवं सिवनपाट में स्थित तवा नदी क्षेत्रों में खनिज कोयले के अवैध उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर खनिज अमले द्वारा निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण के दौरान नदी क्षेत्र से किसी भी व्यक्ति को खनिज कोयला का उत्खनन, परिवहन करते नहीं पाया गया, किन्तु उक्त क्षेत्र में एक स्थान पर लगभग 01 ट्राली कोयला अवैध रूप से लावारिस पाया गया, जिसे जप्त कर पुलिस थाना चोपना की अभिरक्षा में रखा गया है। जिस स्थान पर लावारिस कोयला पाया गया उस क्षेत्र के आसपास किसी प्रकार के कोयला खनन के निशान, गड़ढे नहीं होना पाया गया। साथ ही निरीक्षण दल द्वारा ग्राम डुल्हारा एवं सिवनपाट के क्षेत्रों में पूर्व से बने गडढे बंद पाये गये है, जिसमें कोयले के उत्खनन के अवशेष एवं चिन्ह, निशान नहीं पाये गये। उक्त क्षेत्र में खनिज कोयला के अवैध उत्खनन के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया, किन्तु उनसे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। गौरतलब है कि पूर्व में भी खनिज विभाग द्वारा उक्त स्थल से खनिज कोयला के अवैध उत्खनन , परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए कठोर कार्यवाही की गई थी। वर्तमान में भी उक्त क्षेत्र के आसपास खनिज कोयला के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए सघन अभियान चलाकर सतत निगरानी रखी जा रही है।

ग्राम सनावदिया में संचालित अवैध एसिड फैक्ट्री सील

इन्दौर/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार बिचौली अनुभाग के एसडीएम श्री अजय भूषण शुक्ला द्वारा ग्राम सनावदिया में संचालित अवैध एसिड फैक्ट्री के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे सील किया गया। कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग की टीम मौके पर भेजी गई। कार्यपालिक नायब तहसीलदार श्री दयाराम निगम, आरआई श्री कैलाश चौधरी, पटवारी श्री बालेश्वर चौधरी सहित राजस्व टीम द्वारा ग्राम सनावदिया स्थित भूमि सर्वे नंबर 631/2/1 रकबा 0.009 हेक्टेयर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भूमि स्वामी ईदरिश पिता इनायत पटेल की भूमि पर किराये से संचालित एसिड पैकिंग यूनिट पाई गई, जिसका संचालन अजय चौरसिया पिता राम चौरसिया द्वारा किया जा रहा था।

जिला प्रशासन और आरटीओ की संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई

इन्दौर/नवप्रदेश। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आज जिला प्रशासन और आरटीओ की संयुक्त टीम ने मुहिम चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। इस मुहिम के तहत आज अनेक यात्री बसों की आकस्मिक जांच की गई। जांच के दौरान अड़नियमितताएं और लापरवाही पाये जाने पर 7 बसों की फिटनेस ड़निरस्त किए गए। पांच बसें जप्त की गई और पांच लाख रुपये से अधिक की राशि वसूल की गई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर यह कार्रवाई एसडीएम श्री घनश्याम धनगर और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और आरटीओ के संयुक्त टीम ने की। मुहिम में बसों में इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, आपातकाल में सुगम निकास व्यवस्था की जांच की गई। इंदौर शहर में लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है।

अपर मुख्य सचिव दुबे ने एलिवेटेड रोड, नाला सफाई और मल्टीलेवल पार्किंग का किया निरीक्षण

ग्वालियर/नवप्रदेश। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने गुरुवार को ग्वालियर शहर में एलिवेटेड रोड निर्माण से क्षतिग्रस्त हुई सीवर लाइन, नाला सफाई व्यवस्था एवं महाराज बाड़ा स्थित मल्टीलेवल कार पार्किंग का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बारिश से पहले सीवर संधारण एवं नालों की सफाई का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। यदि बारिश के दौरान शहर में जलभराव या सीवर ओवरफ्लो की समस्या सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री दिव्यांक सिंह, अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव व श्री प्रदीप तोमर सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने सबसे पहले एलिवेटेड रोड निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त हुई सीवर लाइन के संधारण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी मरम्मत कार्य बारिश शुरू होने से पहले पूर्ण किए जाएं और कहीं भी सीवर लाइन ओवरफ्लो की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को परेशानी से बचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिये सर्वोच्च प्राथमिकता से सीवर समस्या का स्थायी समाधान समय पर सुनिश्चित करें। श्री दुबे ने नाला सफाई कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रमुख नालों की सफाई अभियान स्तर पर कराई जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। भ्रमण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने इसके बाद महाराज बाड़ा स्थित मल्टीलेवल कार पार्किंग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें अवगत कराया कि अतिवर्षा के कारण भूजल स्तर बढ़ने से तलघर में पानी भर गया है। वर्तमान में तलघर में लगभग आठ फीट पानी जमा होने के कारण पार्किंग का उपयोग प्रभावित हो रहा है।

एलिवेटेड रोड निर्माण से प्रभावित सीवर व्यवस्था की समीक्षा

बारिश से पहले दुरुस्त हों सीवर लाइनें, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई – अपर मुख्य सचिव दुबे

ग्वालियर/नवप्रदेश। एलिवेटेड रोड निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त हुई सीवर लाइनों, मैनहोल और सीवर चेंबरों की मरम्मत बारिश से पहले हर हाल में पूरी की जाए। शहरवासियों को वर्षाकाल में सीवर संबंधी किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारी तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। यह निर्देश अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने गुरुवार को नगर निगम के विकास कार्यों एवं एलिवेटेड रोड परियोजना की समीक्षा बैठक में दिए। बाल भवन स्थित एक्यूआई सेंटर में आयोजित बैठक में आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर

निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री दिव्यांक सिंह व अपर आयुक्त नगर निगम श्री टी प्रतीक राव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने स्पष्ट रूप से कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए स्वर्णरेखा नदी में डाली गई मिट्टी तत्काल हटाई जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त सीवर लाइन और चेंबरों की मरम्मत में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि वर्तमान एजेंसी कार्य करने में सक्षम नहीं है तो नई एजेंसी या वेंडर को तत्काल जिम्मेदारी सौंपी जाए। संबंधित अधिकारी दो दिन के भीतर यह सुनिश्चित करें कि कार्य किस एजेंसी द्वारा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य पर होने वाला व्यय संबंधित ठेकेदार के भुगतान से समायोजित किया जाए। बैठक में एलिवेटेड रोड परियोजना के फेस-1 एवं फेस-2 की प्रगति की समीक्षा भी की गई। फेस-1 के अंतर्गत सीवर समस्या के समाधान की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत नहीं किए जाने पर अपर मुख्य सचिव ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने फेस-2 के ठेकेदार को 30 मई तक आवश्यक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। शहर की सीवर व्यवस्था पर चर्चा के दौरान आरईपीएल कंपनी के प्रतिनिधि संतोषजनक कार्ययोजना प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर अपर मुख्य सचिव ने कंपनी की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए। जीआईएस मैपिंग के माध्यम से विभिन्न वार्डों में सीवर समस्याओं की समीक्षा की गई तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में त्वरित समाधान के लिए प्रस्तावों और टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी पर भी नाराजगी जताई गई। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यक कार्यों को तत्काल स्वीकृति प्रदान की जाए तथा स्मार्ट सिटी के खाली बैठे इंजीनियरों की सेवाएं नगर निगम के कार्यों में ली जाएं।

न्यूज गैलरी

भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट पर वक्फ बोर्ड में सुनवाई

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो के गुजरने को लेकर शुक्रवार को वक्फ बोर्ड में सुनवाई हुई। स्टे पर बहस के लिए 14 मई की तारीख तय की गई है। इसमें मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा। बता दें कि मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद अब कानूनी हो गया है। भोपाल टॉकीज स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन और नारियलखेड़ा की वक्फ जमीन पर निर्माण के खिलाफ कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग प्रकरण दायर किए हैं। कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंसार उल हक और अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान पैरवी कर रहे हैं। अधिवक्ता खान ने बताया कि दोनों मामलों में मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। शुक्रवार को मामले में सुनवाई की गई। जिसमें अगली सुनवाई की तारीख 14 मई निर्धारित की गई है।

अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन पर यह विवाद

पहले प्रकरण में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन निकालने की योजना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया है कि यह कब्रिस्तान न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर के सबसे पुराने और बड़े कब्रिस्तानों में शुमार है, जहां हजारों की संख्या में कब्रें मौजूद हैं। कमेटी का दावा है कि प्रस्तावित मेट्रो लाइन से करीब एक एकड़ क्षेत्र सीधे प्रभावित हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में कब्रों के अस्तित्व और संरचना पर खतरा उत्पन्न होगा। यह भी आरोप लगाया गया है कि मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस क्षेत्र का विस्तृत नक्शा, तकनीकी रिपोर्ट या सुरक्षा आकलन सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे आशंकाएं और बढ़ गई हैं। अधिवक्ता खान का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट और अलग-अलग हाईकोर्ट के कई फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि कब्रिस्तान की मूल प्रकृति (नयत) को किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता। उन्होंने दलील दी कि भले ही मेट्रो लाइन को अंडरग्राउंड बताया जा रहा हो, लेकिन कब्रिस्तान के नीचे खुदाई, सुरंग निर्माण और कंपन से वहां मौजूद कब्रों और धार्मिक ढांचों को नुकसान पहुंच सकता है।

समझ, संबंध और सुविधा से ही बनेगा मानवीय समाज: आर्य

भोपाल/नवप्रदेश। राज्य आनंद संस्थान में आयोजित ÷आनंद सभा÷ के दौरान संस्थान के डायरेक्टर श्री सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि जीवन में केवल सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। ÷समझ, संबंध और सुविधा÷ ये तीनों मिलकर ही एक मानवीय समाज का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि समझ और संबंध ही मानवीय मूल्यों की वास्तविक आधारशिला हैं। आर्य ने प्रतिभागियों को आत्मीयता, विश्वास और मानवीय व्यवहार के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सभी से संवेदनशील भूमिका निभाने का आह्वान किया। लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक श्री एच.एन. नेमा ने कहा कि पहले शिक्षक विद्यार्थियों और अभिभावकों से आत्मीय संवाद बनाए रखते थे, जिससे समाज में विश्वास का वातावरण बनता था। उन्होंने आत्म-अवलोकन पर जोर देते हुए शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल औपचारिक नौकरी तक सीमित न रहें, बल्कि समाज में सेतु की भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचालनालय के उप संचालक शंकर खत्री ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ÷आनंद सभा÷ में उपस्थित शिक्षकों और प्रतिभागियों ने मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

भोपाल में सोशल मीडिया पर सख्ती: भड़काऊ पोस्ट, लाइक-शेयर पर भी होगी कार्रवाई

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस आयुक्त ने आदेश जारी कर धार्मिक, जातीय या सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने वाले पोस्ट, फोटो, वीडियो और मैसेज पर रोक लगा दी है। ऐसे कंटेंट को लाइक, शेयर या फॉरवर्ड करने पर भी कार्रवाई होगी। ग्रुप एडमिन को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। राजधानी भोपाल में सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए साफ किया है कि धार्मिक, सामाजिक और जातिगत विद्वेष फैलाने वाले पोस्ट, वीडियो, फोटो या मैसेज प्रसारित करने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश के मुताबिक फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, टेलीग्राम समेत किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्माद फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करना अपराध माना जाएगा। इतना ही नहीं, ऐसे पोस्ट को लाइक, शेयर, कमेंट या फॉरवर्ड करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

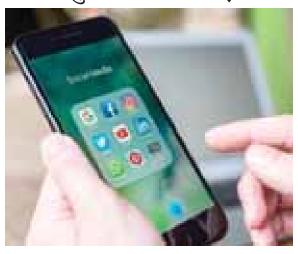

ग्रुप एडमिन की तय हुई जिम्मेदारी

पुलिस प्रशासन ने सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन को भी सीधे जिम्मेदार ठहराया है। आदेश में कहा गया है कि ग्रुप एडमिन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में धार्मिक या सांप्रदायिक भावना भड़काने वाले संदेशों को रोके।

अफवाह फैलाने पर भी सख्ती

तथ्यों को तोड़-मरोड़कर अफवाह फैलाने, लोगों को हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियों के लिए उकसाने और किसी समुदाय विशेष के खिलाफ माहौल बनाने वाले संदेशों पर भी रोक लगाई गई है। किसी संगठन या समुदाय को एकजुट होकर गैरकानूनी गतिविधि के लिए बुलाने वाले संदेश प्रसारित करना भी प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस कमिश्नर ने साइबर कैफे संचालकों के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए हैं। अब बिना वैध पहचान पत्र के किसी अनजान व्यक्ति को साइबर कैफे इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा।

सावधान मध्यप्रदेश-खुशहाली पर तनाव का ग्रहण!

मध्य प्रदेश में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय, 15 हजार के आंकड़ों के साथ देश में तीसरे स्थान पर एमपी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश में आत्महत्या के लगातार बढ़ते मामले सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीन रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में एक साल के दौरान 15 हजार 491 लोगों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में दर्ज कुल आत्महत्याओं का करीब 9.1 प्रतिशत है। इस आंकड़े के साथ मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार आत्महत्या के पीछे बीमारी, पारिवारिक विवाद, आर्थिक दबाव, मानसिक अवसाद और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसी वजहें प्रमुख रूप से सामने आई हैं। प्रदेश में 3 हजार से अधिक लोगों ने गंभीर बीमारियों से परेशान होकर आत्महत्या की। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और समय पर काउंसलिंग नहीं मिलना भी बड़ी वजह बन रहा है।

गृहिणियों के बीच आत्महत्या के केसों में बढ़ोतरी

प्रदेश में महिलाओं, खासकर गृहिणियों के बीच आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी ने चिंता और बढ़ा दी है। घरेलू तनाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक दबाव इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं युवाओं और छात्रों में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। पढ़ाई का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और करियर को लेकर असफलता का डर कई छात्रों को मानसिक तनाव की ओर धकेल रहा है।

खेती-किसानी से जुड़े लोगों के मामले भी आए सामने

खेती-किसानी से जुड़े लोगों में भी आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। फसल नुकसान, कर्ज और आय की अनिश्चितता ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा कारण बनकर उभरे हैं। इसके अलावा सरकारी और निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच भी तनाव और अवसाद से जुड़े मामले बढ़े हैं।

महिला अपराधों में भी प्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल

एनसीआरबी रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर भी मध्य प्रदेश की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहां महिलाओं से जुड़े अपराधों की संख्या लगातार अधिक बनी हुई है। वर्ष 2024 में प्रदेश में 32 हजार से ज्यादा महिला अपराध दर्ज किए गए। औसतन हर दिन बड़ी संख्या में महिलाओं के खिलाफ अपराध सामने आ रहे हैं। महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण और उत्पीड़न के मामलों में भी प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख राज्यों में शामिल रहा। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर महिला अपराध के मामलों में देश के प्रमुख शहरों की सूची में शामिल है, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में मामूली कमी दर्ज की गई है।

बच्चों के खिलाफ अपराधों ने बढ़ाई चिंता

बच्चों से जुड़े अपराधों में भी मध्य प्रदेश की स्थिति गंभीर बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल है जहां बच्चों के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि साइबर अपराध, बाल शोषण और सामाजिक असुरक्षा इसके प्रमुख कारण हैं।

एससी-एसटी वर्ग के खिलाफ अपराधों में भी स्थिति गंभीर

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाफ होने वाले अपराधों में भी मध्य प्रदेश का नाम शीर्ष राज्यों में शामिल है। विशेष रूप से आदिवासी वर्ग के खिलाफ अपराधों को लेकर प्रदेश की स्थिति अधिक गंभीर बताई गई है। सामाजिक विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते आत्महत्या और अपराध के मामलों को केवल कानून व्यवस्था का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

भोपाल/नवप्रदेश।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार ÷पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली÷ योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम श्री अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके। एमडी श्री बैंस ने बताया कि पीएम सूर्य घर

मुफ्त बिजली योजना में एक लाख 21 हजार 392 घरों पर सौर संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं। सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए 847.13 करोड रुपए का अनुदान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक एक लाख 92 हजार 647 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, आवेदन पत्रों पर त्वरित कार्यवाही कर संयंत्र स्थापित करने की कार्रवाई द्रुत गति से जारी है।

टीटीई ने बुजुर्ग महिला के मुंह पर मुक्का मारा: ऐसी कोच में चढ़ने से नाराज था

तत्काल उतरने कहा; नहीं मानी तो पीट-पीटकर दांत तोड़ दिए

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में कुशीनगर एक्सप्रेस में 75 साल की बुजुर्ग महिला से टीटीई ने बेरहमी से मारपीट कर दी। आरोपी ने महिला के मुह पर घूंसा मारकर उसके दांत तोड़ दिए। दरअसल, नर्मदापुरम से वह भोपाल की यात्रा करने के लिए स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन चलने के लिए तैयार हुई और बुजुर्ग सामने खड़े एसी कोच में चढ़ गई। एसी कोच में चढ़ने से टीसी भड़क गया। बुजुर्ग ने उसे कहा कि वह धीरे धीरे स्लीपर कोच में जा रही है। इस पर वह कहने लगा कि जल्दी निकलो। उन्होंने कहा कि मैं

नदीम खान, आरोपी

बुजुर्ग हूं और जल्दी जल्दी नहीं चल सकूंगी। इस पर वह भड़क गया और हाथ मोकर घूंसा मार दिया। घूंसा लगने से बुजुर्ग महिला का दांत टूट गया। रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने के बाद बुजुर्ग महिला ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने टीटीई नदीम खान पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पूरा घटनाक्रम 6 मई का है, जबकि शुक्रवार को आरोपी नदीम की गिरफ्तारी कर ली गई।

तत्काल निर्देश नहीं मानने से भड़का नदीम

जीआरपी रानी कमलापति थाने के प्रभारी एमएस सोमवंशी ने बताया कि सुशीला देवी(75) डी-6 पूर्वी रेलवे कॉलोनी भोपाल में रहती हैं। 6 मई को वह कुशीनगर एक्स से नर्मदापुरम से भोपाल की यात्रा कर रही थी। ट्रेन नर्मदापुरम से चलने को तैयार हो गई। ट्रेन छूटने के डर से सुशीला देवी एसी कोच में चढ़ गई। ट्रेन में सवार टीटीई नदीम खान ने महिला को तत्काल बोगी से उतरने का निर्देश दिया। सुशीला देवी ने कहा कि मेरी उम्र 75 साल है। मैं धीरे धीरे ही चल सकूंगी। यह बात सुनकर नदीम खान भड़क गया। उसने हाथ पककर मो दिया।

निर्माणाधीन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास की बढ़ेगी रफ्तार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

जर्जर शासकीय विद्यालयों को चिन्हित कर कराएं मरम्मत

शहडोल जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहडोल जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल-उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में

अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं शहडोल जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की शहडोल जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यो की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब की दुकान हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया, भू अर्जन कार्य में प्रगति, टेटका - शहडोल मार्ग की प्रगति, जयसिंहनगर बाईपास, ब्यौहारी -सपटा मार्ग, जल जीवन मिशन के कार्य, प्रगतिरत कटनी से सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा विकास कार्यों के लिये अपने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ.राजेश मिश्रा, विधायक श्री जयसिंह मरावी, श्री शरद कोल,श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय के छात्र आराध्य ने बढ़ाया प्रदेश का मान

अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर के बने राष्ट्रीय विजेता

सचिव डॉ. संजय गोयल ने किया सम्मानित

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा के कक्षा 5वीं के छात्र मास्टर आराध्य पाराशर ने 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। छात्र आराध्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल तथा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया है। इस अवसर पर प्रदेश ओलंपियाड प्रभारी डॉ. आर. पी. त्रिपाठी, सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा की प्राचार्या डॉ. पूनम अवस्थी, शिक्षिका ऋतु सक्सेना एवं आराध्य के अभिभावक उपस्थित रहे। विगत दिनों मुंबई में आयोजित 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्तरीय विजेता विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष तीन चरणों में जन शिक्षा केंद्र, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। मध्यप्रदेश में इस प्रतियोगिता का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा किया जाता है। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन आयोजक संस्था 'लीप फॉर वर्ड' द्वारा मेरिको एवं निहार शांति पाठशाला के सहयोग से किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 2 से 5 तक के विद्यार्थी भाग लेते हैं।

विगत् एक सप्ताह में 83 लाख रूपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ सहित वाहन जब्त

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कार्यवाही के दौरान विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत एक सप्ताह में 83 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिले के थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 500 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं 500 ग्राम अफीम जब्त की गई। आरोपी द्वारा पुलिस से बचने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों को पानी की विद्युत मोटर की बॉडी में छुपाकर रखा गया था। कार्रवाई के दौरान लगभग 51 लाख 72 हजार रूपये की संपत्ति जब्त की है। एक अन्य कार्यवाही में थाना भावगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ निर्माण में प्रयुक्त 27

किलोग्राम एसिटिक एनहाईड्राइड एवं एक मोटरसाइकिल सहित लगभग 1 लाख 10 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों मामले में पुलिस ने लगभग 52 लाख 82 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

नीमच: डोडाचूरा से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

जिले के थाना मनासा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रॉली में रखे 30 प्लास्टिक के कट्टों से 6 क्विंटल 1 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित लगभग 22 लाख रूपये से अधिक की संपत्ति जप्त की गई।

देवास: ब्राउन शुगर तस्करों पर कार्रवाही

जिले की खातेगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर की तस्करी में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 23 ग्राम ब्राउन शुगर एवं अन्य सामग्री सहित लगभग 4 लाख 60 हजार रूपये की संपत्ति जप्त की है।

भोपाल: गांजा तस्कर गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच भोपाल द्वारा विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन क्षेत्र से एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 9.570 किलोग्राम अवैध गांजा एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 2 लाख 5 हजार रूपये है।

सुविचार

आंसुओं की अजीब कहानी है। खुशी और गम दोनों की निशानी है। समझने वालों के लिए अनमोल मोती और न समझने वालों के लिए सिर्फ पानी है

ममता बनर्जी की हठधर्मिता

देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का मुख्यमंत्री चुनाव में पराजित होने के बाद भी अपने पद से इस्तीफा न देने की जिद पर अड़ा हो और राज्यपाल को उसकी सरकार को बर्खास्त करना पड़ा हो। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी हठधर्मिता दिखाकर यह साबित कर दिया है कि वे अपना दिमागी संतुलन खो चुकी है। बंगाल के लोगों का विश्वास तो वे पहले ही खो चुकी हैं। ऐसे में वे किसी की सहानुभूति की पात्र नहीं रह गई हैं। उल्टे अपने इस कृत्य से हास्य का पात्र बन गई हैं। ऐसा मुगालते तो कोई महामूर्ख भी नहीं पालता कि वह कभी हार ही नहीं सकता। ममता बनर्जी तो अपनी हार को जीत बता रही हैं। इस सच्चाई को नकार रही हैं कि उनकी हार पर सारा बंगाल जश्न मना रहा है। जय श्री राम के जिन जयघोष से ममता बनर्जी के तन बदन में आग लग जाती थी उस नारे की गूंज पूरे बंगाल में सुनाई पड़ रही है। यहां तक कि सरकारी कार्यालयों में भी सरकारी कर्मचारियों ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए भाजपा की जीत का जश्न मनाया है। और भी राज्यों में चुनाव हुए हैं। सत्ता परिवर्तन हुआ है लेकिन कहीं भी लोगों ने सरकार बदलने पर ऐसी खुशी जाहिर नहीं की है जैसी बंगाल के बाशिंदों ने जाहिर की है। इसी से स्पष्ट है कि ममता बनर्जी की सरकार के कुशासन से वहां के लोग कितने त्रस्त थे? इसके पहले उनके पास विकल्प नहीं था लेकिन जैसे ही उन्हें भाजपा के रुप में विकल्प दिखा तो उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंका। ममता बनर्जी भले ही अपनी काली करतूतों पर पर्दा डालने के लिए वोट चोरी का बेसुरा राग अलापते रहे और राहुल गाँधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव तथा अरविंद केजरीवाल जैसे हारे हुए जुआरी उनके सुर में सुर मिलाते हुए चुनाव आयोग पर निशाना साधते रहें लेकिन देश समझ रहा है कि सच्चाई क्या है? केरल और तमिलनाडु में सरकार बदली तो वहां लोकतंत्र जीत गया लेकिन बंगाल में परिवर्तन की आंधी चली तो लोकतंत्र की हत्या हो गई। यह दोहरा मापदंड अब नहीं चलेगा। ये नया भारत है और अब यहां की जागरूक जनता को बरगलाना आसान नहीं है। उपर से ममता बनर्जी यह धमकी दे रही हैं कि वे बंगाल के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में ले जाएंगी। इसी से उनकी मानसिक दशा और विकृत सोच का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इसका मतलब साफ है कि उन्हें अपने देश की न्याय व्यवस्था पर भी विश्वास नहीं है। ऐसी सोच देशद्रोही ही रख सकते हैं। कायदे से तो उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना है। बंगाल में टीएमसी की हार के बाद जिस तरह हिसाब घटनाएं हो रहीं हैं यहां तक कि भावी मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी के पीए तक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जाहिर है टीएमसी के गुंडे बंगाल में अराजकता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि टीएमसी के गुंडों के खिलाफ अभियान चलाया जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। तभी ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की अक्ल ठिकाने लगेगी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जो भ्रष्टाचार का नंगा नाच किया है उसकी जांच के बाद उनका भी जेल जाना लगभग तय है। बेहतर होगा कि ममता बनर्जी खिसयानी बिल्ली की तरह खंबा नोचना बंद करे और आग से खेलने की कोशिश तो हरगिज न करें वरना उन्हें इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

क्या यह तृणमूल व भारतीय साम्यवाद का अंत है?

अभिलाष खांडेकर

मुझे नहीं पता कि चुनावी शब्दावली में 'सत्ता-विरोधी लहर' जैसे जटिल राजनीतिक शब्दों का प्रयोग किसने और कब किया. तर्कसंगत रूप से, मुझे आश्चर्य होता है कि यह अदृश्य कारक कैसे एक राज्य में काम करता है, जबकि दूसरे में उसी समय विफल हो जाता है! पांच राज्यों में हुए हालिया चुनाव भी अपवाद नहीं थे; उन्होंने किसी न किसी तरह से चौंकाने वाले परिणाम दिए. 'सत्ता-विरोधी लहर' ने ममता बनर्जी को खासा नुकसान पहुंचाया; इसने दक्षिण में एमके स्टालिन और अस्सी वर्षीय पिनाराई विजयन को भी सत्ता से बेदखल कर दिया, लेकिन उत्तर-पूर्व में इसने एक विवादास्पद मुख्यमंत्री को पूरी तरह से बचा लिया!मुझे नहीं पता कि चुनावी शब्दावली में 'सत्ता-विरोधी लहर' जैसे जटिल राजनीतिक शब्दों का प्रयोग किसने और कब किया. तर्कसंगत रूप से, मुझे आश्चर्य होता है कि यह अदृश्य कारक कैसे एक राज्य में काम करता है, जबकि दूसरे में उसी समय विफल हो जाता है! पांच राज्यों में हुए हालिया चुनाव भी अपवाद नहीं थे; उन्होंने किसी न किसी तरह से चौंकाने वाले परिणाम दिए. 'सत्ता-विरोधी लहर' ने ममता बनर्जी को खासा नुकसान पहुंचाया; इसने दक्षिण में एमके स्टालिन और अस्सी वर्षीय पिनाराई विजयन को भी सत्ता से बेदखल कर दिया, लेकिन उत्तर-पूर्व में इसने एक विवादास्पद मुख्यमंत्री को पूरी तरह से बचा लिया!

आ रहा है? या फिर भाजपा ने इसका दोनों तरह से इस्तेमाल करने की कला में महारत हासिल कर ली है? उदाहरण के लिए, सत्ता-विरोधी भावनाएं, अगर थीं भी, तो बंगाल में पूरी तरह से घिरी हुई 72 वर्षीय ममता के खिलाफ बेहतर तरीके इस्तेमाल किया गया, लेकिन कांग्रेस से पाला बदलकर आए हिमंत बिस्वा सरमा, जिन पर भ्रष्टाचार और धार्मिक नफरत फैलाने के अनगिनत आरोप हैं, के खिलाफ कुछ भी काम नहीं आया! ऐसा क्यों हुआ? भाजपा ने तो असम में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की. ममता और उनकी क्षेत्रीय पार्टी की तमाम मुश्किलों के बावजूद मतों के चार प्रतिशत से भी कम के अंतर से पराजय का श्रेय 'सुनियोजित' या 'क्यूरेटेड' चुनावों' को दिया जा रहा है. यह चुनावी शब्दावली में एक नया मुहावरा है। लेकिन मुझे एक और कारण से दुःख होता है. द्रमुक और तृणमूल जैसी क्षेत्रीय पार्टियां - जो लोकतंत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है - के पतन के साथ नई भाजपा के नेतृत्व वाले 'पूंजीवादी भारत' में एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में साम्यवाद भी मरता दिख रहा है। केरल में सत्ता विरोधी लहर के कारण सीपीआई के नेतृत्व वाले गठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा और पश्चिम बंगाल में, जहां दशकों तक वामपंथियों का वर्चस्व रहा, भगवा लहर में केवल एक विधायक ही बच पाया। मेरे महाविद्यालय के दिनों में और उससे कुछ पहले, कई युवा मित्र साम्यवादी विचारधारा से काफी प्रभावित थे, हालांकि मध्य भारत में इसका कोई वर्चस्व नहीं था. सोवियत संघ एक वैश्विक शक्ति था और पूंजीवादी संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध मजबूती से खड़ा था, जिसे शीत युद्ध का युग कहा जाता है।

भारत में सस्ती कीमत पर कम्युनिस्ट साहित्य आसानी से उपलब्ध था. मैंने लगभग 30-35 रुपए में 'दास कैपिटल' के तीन खंड खरीदे थे. बहुत बाद में, मेरे पास सोवियत संघ के कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और 1991 में सोवियत संघ के विघटन से पहले राष्ट्रपति रहे मिखाइल गोर्बाचेव की वैश्विक स्तर पर प्रशंसित पुस्तक - पेरेस्त्रोइका - की पहली प्रति थी. अभी जब किसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अब भारत 'पुतिन जैसे लोकतंत्र' की ओर अग्रसर है, तो मुझे एक बार फिर साम्यवाद की याद आ गई. उस समय कामरेड होमी दाजी मध्य प्रदेश के इंदौर से इकलौते कम्युनिस्ट सांसद थे, जहां मेरा पालन-पोषण हुआ.

सुदूर केरल में कई वर्षों तक कम्युनिस्ट सरकार रही; बाद में पश्चिम बंगाल में भी वे सत्ता में आए. लगभग पांच दशक पहले के उस दौर में ईएमएस नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, श्रीपाद अमृत डांगे और हरकिशन सिंह सुरजीत जाने-माने नाम थे. केरल में नंबूदरीपाद की सरकार 1959 में बर्खास्त हो गई, जबकि बसु देश के सबसे लंबे समय तक मुख्य मंत्री रहने वाले वामपंथी नेता बने. वे 1977 से 2000 तक बंगाल के मुखिया रहे; उनके बाद बुद्धदेव भट्टाचार्य मुख्यमंत्री बने, जो 11 वर्षों तक इस पद पर रहे. हालांकि, अब यदि साम्यवाद भारत से खत्म होता है तो भाजपा बेहद खुश होगी। ममता, जो हिमंत की तरह कभी कांग्रेस नेता थीं, कांग्रेस से भी ज्यादा कम्यूनिस्टों से नफरत करती थीं और उन्होंने वामपंथियों को सत्ता से बेदखल करने की कसम खाई थी, जिन पर दशकों से बंगाल के विकास को रोकने का आरोप था।

अब जबकि भाजपा ने अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करने का सपना सच कर दिखाया है और तथाकथित स्वतंत्र एजेंसियों के समर्थन से इन चुनावों को काफी हद तक 'कांग्रेस-मुक्त' बना दिया है, उस पर यह साबित करने का दबाव है कि वह पश्चिम बंगाल में सुशासन लौटाए, जहां लाखों 'घुसपैठिए' सीमा पार से घुस आए हैं और अवैध रूप से रह रहे हैं. उन्हें बाहर करना होगा. उद्योगों को भी बड़े पैमाने पर स्थापित करना होगा और बेहतर कानून व्यवस्था बहाल करनी होगी। इन चुनावों में हारने वालों के लिए कोई सबक ? हां, उन्हें अपना जमीनी आधार मजबूत करना होगा; बेहतर रणनीतियों के साथ चुनाव लड़ना होगा; अन्य विपक्षी दलों के साथ गठबंधन करना होगा और सत्ताधारी गठबंधन के इशारों पर नाचने वाली सरकारी एजेंसियों के खुलेआम दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई और कडी करनी होगी.

जब कांग्रेस ने लगातार शुरुआती आम चुनाव (1947-67) और विधानसभा चुनाव जीते थे, तब विपक्ष ने तरह-तरह के आरोप लगाये थे. उस समय कांग्रेस के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया ने कांग्रेस-विरोधी राजनैतिक मोर्चा बनाने के प्रयास किये थे. आज भाजपा भी लगभग उसी स्थिति में है और उसके सामने कोई विपक्ष नहीं है. पूर्वोत्तर से लेकर दक्षिण तक 21 राज्य उसके नियंत्रण में हैं. वर्ष 2027 तक और भी राज्य उसके कब्जे में आ सकते हैं।

कई दशकों पूर्व ताकतवर कांग्रेस से जो अपेक्षा जनसंघ या लोहिया रखते थे, आज कांग्रेस, आप, तृणमूल, द्रमुक, सपा या शिवसेना जैसी पार्टियों को नरेंद्र मोदी-अमित शाह द्वारा आकार दी गई एक शक्तिशाली पार्टी से उसी तरह की अपेक्षा होगी. कैसी अपेक्षा?

चुनावो में समान अवसर (अर्थात संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग ना हो) व दुश्मनी के बजाय स्वस्थ्य प्रतिद्वंदिता हो !

ऑपरेशन सिंदूर: संकल्प, जिसने भारत की रणनीतिक भूमिका को पुनः परिभाषित किया

सय्यद अता हसनैन
लेफ्टिनेंट जनरल
(सेवानिवृत्त)

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ केवल स्मरणोत्सव के लिए एक तारीख नहीं है; यह भारत की रणनीतिक सोच में एक सुदृढ़ और निर्णायक बदलाव पर विचार करने का क्षण है। 7 मई 2026 की घटनाएं, एक सफल सैन्य अभियान से कहीं अधिक थीं– इन घटनाओं ने राजनीतिक इच्छा, सैन्य तैयारी, तकनीकी क्षमता, और राष्ट्रीय संकल्प के समन्वय को रेखांकित किया। कई मायनों में, ऑपरेशन सिंदूर को जटिल, बहु-क्षेत्रीय परिवेश में भारत के भविष्य के संघर्ष संचालन के एक निर्णायक प्रारूप के रूप में याद किया जाएगा।

इस सफलता के मूल में अटूट राजनीतिक स्पष्टता थी। दशकों तक, सीमा-पार की उकसावे की घटनाओं पर भारत की प्रतिक्रिया अक्सर स्व-निर्धारित संयम में ही सीमित रहती थी। ऑपरेशन सिंदूर ने संयम का त्याग करने का नहीं, बल्कि इसके परिष्कार को रेखांकित किया–इसने भारत की संवेदनशील तरीके से बल-प्रयोग करने की क्षमता को प्रदर्शित किया, सटीक रणनीतिक संदेश दिया और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक रूप से स्थिति के विस्तार की क्षमता को बनाए रखा। राजनीतिक नेतृत्व ने न केवल निर्णायक कार्रवाई करने का इरादा दिखाया, बल्कि सैन्य कमांडरों को संचालन में लचीलेपन से सशक्त करने का आत्मविश्वास भी प्रदर्शित किया। उद्देश्य की यह स्पष्टता गति, सटीकता और सामंजस्य में बदल गई– ये तीन विशेषताएं सफल आधुनिक सैन्य अभियानों को परिभाषित करती हैं। राजनीतिक इच्छा शक्ति, जब संस्थागत क्षमता के साथ संयोजित होती है, तो यह एक बल गुणक बन जाती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण था। भारत की बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्बाध एकीकरण भी समान रूप से महत्वपूर्ण था। आधुनिक युद्ध अब केवल भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं है; यह साइबर, अंतरिक्ष और विद्युतचुंबकीय आयाम तक भी फैल गया है।

ऑपरेशन सिन्दूर ने इन क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करने में भारत की बढ़ती दक्षता को प्रदर्शित किया। सटीक हमलों में साइबर संचालन ने पूरक भूमिका निभाई, जिसने विरोधियों की संचार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बाधित किया। विशेष रूप से हमले के बाद के नुकसान का आकलन करने में, अंतरिक्ष आधारित उपकरणों ने वास्तविक समय में निगरानी और लक्ष्य-निर्धारण सुनिश्चित किया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताओं ने शत्रु की जवाबी कार्रवाई को कमजोर कर दिया। इस अभियान ने संयुक्त कार्यक्षमता में परिपक्वता को प्रतिबिंबित किया–समन्वय से आगे बढ़कर सच्चे एकीकरण तक। नागरिक-सेना एकीकरण की भूमिका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऑपरेशन सिंदूर एक अकेला सैन्य अभियान नहीं था; यह एक पूरे राष्ट्र का प्रयास था। खुफिया एजेंसियों, तकनीकी संस्थाओं और नागरिक नेतृत्व ने सशस्त्र बलों के साथ समन्वय में काम किया। देशी तकनीकों–निगरानी प्रणालियों से लेकर सटीक हथियारों तक–ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आत्मनिर्भरता में सतत निवेश के लाभ को उजागर करती हैं। इस अभियान ने भारत की निर्णय-निर्माण संरचना की दक्षता भी प्रदर्शित की, जहां अंतर-एजेंसी समन्वय नौकरशाही निष्क्रियता से बाधित नहीं हुआ, बल्कि साझा उद्देश्य की भावना से प्रेरित रहा। अभियान से पहले और अभियान के दौरान भारत की पहलों में रणनीतिक दूरदर्शिता झलकती थी। कूटनीतिक संवाद ने सुनिश्चित किया कि भारत की कार्रवाइयों को वैश्विक स्तर पर सही संदर्भ में समझा जाए–सटीक, आवश्यक और समानुपाती। दूसरी ओर, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया एक अनुमानित मार्ग का पालन कर रही थी। सैन्य दृष्टि से, वह सुसंगत जवाब देने में संघर्ष करता रहा, जिसे क्षमता की कमी और आश्चर्य के तत्व दोनों ने सीमित किया। कूटनीतिक रूप से, उसने स्थिति को अंतरराष्ट्रीय रूप देने का प्रयास किया, लेकिन उसे सीमित सफलता मिली। हालांकि, उसकी प्रतिक्रिया का सबसे स्पष्ट पहलू सूचना क्षेत्र में था। वास्तविक परिस्थितियों को छुपाने के प्रयास में गलत जानकारी की चालाकी से बौछार की गई। फिर भी, विश्वसनीयता और सुसंगत व्यवस्था आम तौर पर अनुपस्थित रहीं। वास्तविक समय पर जानकारी और वैश्विक निगरानी के युग में, ऐसी कहानियाँ जल्द ही बेनकाब हो जाती हैं। इस झूठे प्रचार का स्पष्टता और आत्मविश्वास से सामना करना और विरोध करना आवश्यक है। ऑपरेशन सिंदूर भारतीय आक्रामकता नहीं थी, बल्कि यह स्पष्ट उकसावे पर संतुलित प्रतिक्रिया थी। उद्देश्यों में सटीकता थी, लक्ष्य वैध थे, और क्रियान्वयन अनुशासित था। भारत की कार्रवाई ने अनुपातिकता और आवश्यकता के सिद्धांतों का पालन किया; जो संयम के विशेष लक्षण हैं। भारत ने पूरी प्रक्रिया में सूचना की सत्यनिष्ठा बनाए रखी। पारदर्शिता बनाए रखकर और विश्वसनीय संचार चैनलों का उपयोग करके, भारत ने आख्यान को तोड़ने-मरोड़ने के प्रयासों को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया। ऑपरेशन सिन्दूर से कई सबक सामने आये हैं, जो भविष्य के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। सबसे पहले, राजनीतिक इच्छाशक्ति की केंद्रीय भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। रणनीतिक अस्पष्टता अक्सर विरोधियों का हौसला बढ़ाती है; स्पष्टता उन्हें हतोत्साहित करती है। दूसरा, बहु-क्षेत्रीय एकीकरण का विकास लगातार जारी रहना चाहिए।बढ़त बनाए रखने के लिए साइबर, अंतरिक्ष, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश जारी रखना महत्वपूर्ण होगा। तीसरा, नागरिक-सैन्य समन्वय को और अधिक संस्थागत रूप दिया जाना चाहिए, ताकि राष्ट्रीय शक्ति का समन्वित तरीके से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

सद्गुरू बोधामृतम्

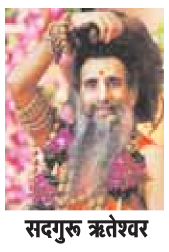
सदगुरू ऋतेश्वर

- जिसे प्रेम करते हो वह कौन है यह महत्वपूर्ण नहीं है, केवल प्रेम करना महत्वपूर्ण है। प्रेम करने पर ही हरि प्रकट हो जाते हैं।
- वर्तमान पल में विश्वास रखो, कल विश्वास के योग्य नहीं है।
- जिस व्यक्ति को अपने जीवन में मंगल की आकांक्षा हो वह भूल कर भी कभी किसी के अमंगल का चिंतन ना करें।
- वर्तमान समय में जिन चीजों का पालन करने से हम स्वस्थ रह सकते हैं वो अवश्य करना चाहिए। ये प्रैक्टिकल है, ये व्यवहारिक चीजें हैं।
- सावधानी को भय नहीं कहते हैं। सावधानीय आनंदित और सुरक्षित जीवन जीने का तरीका है।
- हजारों बुराइयों के बीच भी अगर एक अच्छाई किसी की नजर आए तो उस अच्छाई को देखना, बुराई को नहीं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1386 - विश्व की प्राचीनतम संधियों में से एक पुर्तगाल और इंग्लैंड के बीच विंडसोर समझौता हुआ। 1576 - महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हल्दी घाटी का युद्ध शुरू हुआ। 1588 - ड्यूक हेनरी द ग्यूसे की सेना ने पेरिस पर कब्जा किया। 1653 - विश्वविख्यात ऐतिहासिक इमारत ताजमहल का निर्माण 22 वर्ष के निरंतर परिश्रम के बाद हुआ। 1689 - अंग्रेज शासक विलियम तृतीय ने फ्रांस के साथ युद्ध की घोषणा की। 1874 - बॉम्बे (वर्तमान में मुंबई) में पहली बार घोड़े से खींची जाने वाली ट्रॉमकार शुरू हुयी। 1946 - डॉ. राम मनोहर लोहिया की अगुवाई में गोवा में पुर्तगाल के शासन के खिलाफ पहला सत्याग्रह आंदोलन शुरू हुआ था। 1947 - विश्व बैंक ने अपना पहला ऋण फ्रांस को दिया था। 1955 - पश्चिमी जर्मनी नेटो का हिस्सा बन गया था। 1960 - बर्थ कंट्रोल पिल वैध करने वाला अमेरिका पहला देश बना। 1975 - पहली विद्युत टंकण मशीन बनायी गयी। 2000 - जाफना प्रायःद्वीप के एलीफेंट दर्रे पर कब्ज़े के लिए लिट्टे के साथ हुए संघर्ष में श्रीलंका के 358 सैनिक मारे गये। 2003 - गूगल ने इंटरनेट प्रोग्राम एडसेंस पेश किया। 2004 - चेचेन्या में एक विस्फोट में वहाँ के राष्ट्रपति अखमद कादरोव का निधन। 2005 - मास्को में रूस द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी सेना पर विजय की 60वीं वर्षगांठ के जलसों में भारत के प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भाग लिया।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

कर दिया उसने मुझे रूसवा बहुत, फिर भी इस दिल ने उसे चाहा बहुत। मैं किनारों की इबादत करता हूँ, गो मुझे इमदाद दे दरिया बहुत। जीत मुझको यारों ऐसे ना मिली, जीतने से पहले मैं हारा बहुत वो मुहब्बत की नदी का पानी है अपने आशिक़ को रखे प्यासा बहुत। हम उन्हें भाई तो माने सदियों से, पर उन्हीं से होता है झगड़ा बहुत। एक असफलता से तुम रुकना नहीं, मुश्किलों के आगे है रस्ता बहुत। माज़ी में बिकते नहीं थे लोग पर, आजकल ईमान है सस्ता बहुत।

- डॉ संजय दानी

एक बात तो है सोशल मीडिया पर लोग बकवास भी मोहब्बत से सुनते है हजारों पढ़ने लायक बेहतरीन पोस्ट्स को छोड कर एक सडे हुए आत्मप्रलाप पर हाँजी हाँजी कैसे कर सकते है

- सरिता त्रिवेदी

कु छ लोग किस्मत में नही होते इसलिए वे छूट जाते है।पर कुछ लोग किसीकी जिद्द से छूट जाते हैं।किस्मत से निकले लोग नही लौटते क्योंकि विधि का विधान है, उसे टाल नही सकते पर जिद्द के आगे एक बार जाकर लौटना मुमकिन पर दुबारा लौटना मुश्किल।जिद्द के आगे जब आप किसीको मार देते है तो वे पुनः नही पनपते! **- सुरेखा अग्रवाल**

मेरे राम तुम , मेरे श्याम तुम , मेरे कृष्ण तुम , मेरे प्यार तुम , मेरी राग तुम , मेरे सुर में तुम , मेरी ताल में तुम , मेरी साज तुम , सिर्फतुम ही तुम मेरी जिंदगी में , मेरी बंदगी तुम , मेरी आरती तुम ,मेरी साँसों में तेरा नाम हो , मेरी धडकनों में तेरा नाम हो , देना तुम बस इतना आशीष प्रभु जी ,की दिल में हो सिर्फतेरी ही सूरत।। **- नमन कुमार मिश्रा**

असदुदीन, बदरू, हुमायूं कबीर आदि को कांग्रेस मे विलय कर लेना चाहिए यह साफऔर सिद्ध हो गया कि कांग्रेस इकलौती पार्टी है जिस पर मुसलमान भरोसा करता है इसका उदाहरण आसाम मे 19 मे से 18 विधायक मुसलमान, पश्चिम बंगाल मे 2मे से 1 विधायक मुसलमान, केरलम मे सहयोगी के 22मे से 22 मुसलमान प्लस कांग्रेस के 8मुसलमान विधायक।

- एडवोकेट अरुण कुमार गुप्ता

"हम अक्सर ज़िंदगी को कड़वा कह देते हैं, पर सच ये है कि हमारी सोच ही उसका स्वाद तय करती है कभी पास्ट की कड़वाहट छोड़कर देखो, शायद ज़िंदगी उतनी भी बुरी नहीं है ??" "जिस कड़वाहट को आप जी रहे हो "वो ज़िंदगी नहीं, आपकी आदत है।

- रेनु सिंघल

तुम्हें पाकर चला ही गया तुम्हें खोने का डर, अच्छा हुआ तुम मिले अधूरे से उस रोज़ कि मैं रह पायी पूरी, सोचो गर तुम पूरे मिलते और चले जाते यूँ छोड़ अधूरा मुझेतब क्या कुछ ही बचा रहता मेरे पास पाने के लिए, अगले जन्म तक अब कोई शिकायत नहीं बची बस बचा है पूरा प्यार - कि न मैं अधूरी हूँ और न ही मेरा प्यार, तुम्हारी सम्पूर्णता तुम जानो मुझे क्या,? **- शुचि 'भवि'**

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन आपके लिये सफलता दयाक तो रहेगा लेकिन आज आप अपनी ही किसी गलती से परेशानी को न्योता देंगे। सेहत लगभग सामान्य ही रहेगी।

वृष: आज के दिन आपका मन इधर उधर की बातों में अधिक रहेगा। एक काम करते हुए भी दिमाग अन्य जगह रहने पर कुछ त्रुटि होने की संभावना है। आरोग्य में कमी अनुभव करेंगे।

मिथुन: आज के दिन आरम्भ से ही सेहत में उतार चढ़ाव लगा रहेगा इस वजह से दिनचर्या भी अस्त व्यस्त रहेगी। आप आज जहां भी जाएंगे या उठ बैठ करेंगे वही आलस्य प्रमाद फैलाएंगे।

कर्क: आज के दिन आप जिस भी कार्य को करने का मन बनायेगे उसी में भ्रम की स्थित रहेगी कार्य आरंभ होने के बाद भी कोई ना कोई टांग अढायेगा।

सिंह: आज के दिन अनिर्णय की स्थित किसी भी कार्य को समय पर होने से रोकेगी। मेहनत करने के पक्ष में आज बिल्कुल नही रहेंगे इसके विपरीत महात्त्वकांक्षाये सामर्थ्य से अधिक रहेंगी।

कन्या: आज आप पूर्व में कई गई अपनी ही किसी गलती को लेकर शर्मिंदा होंगे। व्यवहारिकता की कमी और अहम की भावना आपसी संबंधों में खटास लाएगी। घर को छोड़ अन्य सभी जगह सम्मान में कमी का अनुभव करेंगे।

तुला: आज का दिन आपको मौन रहकर बिताने की सलाह है। किसी को भी बिना मांगे सलाह भूल कर भी ना दें अन्यथा लेने के देने पड़ सकते है। रक्त पित्त संबंधित शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक: आज का दिन आशानुकूल रहेगा धन का खर्च विशेष रहेगा फिर भी सुख सुविधाओं में कुछ ना कुछ वृद्धि ही होगी।

धनु: आज के दिन आप व्यवहारिकता में संतोष का प्रदर्शन करेंगे लेकिन अंदर ही अंदर उथल पुथल लगी रहेगी। शरीर मे तेज अथवा शक्ति की कमी अनुभव करेंगे।

मकर: आज आपका व्यक्तित्व निखरा हुआ रहेगा लेकिन स्वभाव में जिद और अकड़ रहने के कारण कोई भी आपसे अपने मन की बात बोलने से कतरायेगा। मूत्राशय संबंधित समस्या रहेगी।

कुंभ: आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से निराश करने वाला रहेगा धन की आमद बुद्धि बल का प्रयोग करने पर ही होगी लेकिन क्रोध पर नियंत्रण ना रहने के कारण स्वयं ही अपना नुकसान कर लेंगे।

मीन: आज का दिन आपकी सोच के एकदम विपरीत रहेगा सोचेंगे कुछ होगा उसका उल्टा ही। सेहत और गृहस्थ दोनो में उतार चढ़ाव लगे रहेंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) प्राचीन नगर नीनवे, जो हाल ही में समाचारों में था, किस देश में स्थित है?

2) टोरंटो का योंग स्ट्रीट क्यों मशहूर हैं?

3) जैन मुनि आचार्य विद्यासागर महाराज ने अपने निधन से पहले कौन-सा समारोह किया था?

4) अपने सभी ग्लेशियरों को 17 मई, 2024 को खोने वाला पहला देश कौन-सा देश बना?

5) बिग बेन को किसने बनाया था?

उत्तरमाला- (1) इराक (2) दुनिया का सबसे लंबा स्ट्रीट (3) सल्लेखना (4) वेनेजुएला (5) ऑगस्टस पुगिन

पहेली

शब्द सामर्थ्य -032

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 031 का हल

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के शिविर में 100 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता

ग्रीष्मकालीन फुटबाल शिविर में तैयार हो रहे भविष्य के खिलाड़ी

जबलपुर । नवप्रदेश

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में रामपुर स्थित पाण्डुताल मैदान में आयोजित ग्रीष्मकालीन फुटबाल प्रशिक्षण शिविर में छह से सोलह वर्ष के 90 से अधिक लड़के व 12 लड़कियां सुबह और शाम सघन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। खिलाड़ियों को केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कुलदीप बहादुर, पवन पटेल, मनोज कुमरे, राजेश सिंह, हरीश नायक, विशाल सोना प्रशिक्षण दे रहे हैं। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने फुटबाल शिविर का निरीक्षण कर प्रशिक्षणार्थियो का उत्साह बढ़ाया। शिविर में प्रशिक्षक नवोदित खिलाड़ियों को फुटबाल की बारीकियों के साथ फिजिकल फिटनेस के संबंध मे सैद्धांतिक व व्यावहारिक तथ्यों की महत्वपूर्ण जानकारी दे रहे है। प्रशिक्षण शिविर में समय-समय पर नगर मे उपलब्ध फुटबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी व प्रशिक्षक भी नवोदित खिलाड़ियों को मैदान में गुर सिखा रहे हैं। नवोदित खिलाड़ी भी शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रोमांचित है। उन्हें यहां नियमित प्रशिक्षण के साथ अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल रहा है। नवोदित फुटबाल खिलाड़ियों का कहना है कि प्रतिस्पर्धा के लिए इस प्रकार के मैच उनका आत्मविश्वास बढ़ा रहे है।

न्यूज गैलरी

गर्मी, बारिश और हवा के गठजोड़ का जोर- तेज हवाओं के बीच वर्षा की संभावना

जबलपुर । गर्मी, बारिश और हवा के गठजोड़ से मौसम के मिजाज बदल गये है। दिनभर मौसम खुला रहता है और शाम को अचानक बादल छाने लगते है कभी कभी हल्की बूंदाबांदी भी होने लगती है जिससे मौसम के मिजाज बदल जाते हैं। उमस भरी गर्मी परेशान करने लगती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 2-3 दिनों तक मौसम के मिजाज ऐसे ही रहेंगे। पश्चिमी विक्षेप की वजह से राजस्थान के ऊपर हवा के कम दवाब का क्षेत्र बन गया है और हवा में नमी बन गई है इससे स्थानीय स्तर पर जहां बादल बनते है वहां बूंदाबांदी हो जाती है। कल रात शहर में जहां बूंदाबांदी हुई और रात को बूंदाबांदी हुई जिससे पारा 39 डिग्री पर पहुंच गया।

तेज हवायें चलेंगी: स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में हुई बारिश के बाद पश्चिमी-विक्षोभ ने मध्यप्रदेश को अपने घेरे में ले लिया है। खासकर पूर्वी मध्यप्रदेश में वायुमण्डल पर हवा के कम दवाव का क्षेत्र बना हुआ है। मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 46 प्रतिशत और सायंकाल 26 प्रतिशत आंकी गई। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 35.7 और न्यूनतम तापमान 24.5 दर्ज किया गया था। सूर्योदय सुबह 5.32 और सूर्यास्त 6.41 बजे होगा. प्रदेश में सबसे अधिक 42.4 डिग्री तापमान नरसिंहपुर जिले में दर्ज किया गया। दक्षिणी हवाएं 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर तड़ित झंझावत के साथ तेज हवाएं चलने और हल्की वर्षा की संभावना है।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी

जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत ग्राम दर्शनी टोला में एक सूने घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर व नगदी रुपए चोरी कर ले गए। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दर्शनी टोला निवासी 45 वर्षीय श्रीमति मंजू राय गत सुबह 9 बजे घर पर ताला लगाकर अपनी बुआ के यहां ग्राम साईपुरा तेन्दूखेड़ा जिला दमोह शादी के कार्यक्रम में गई थी। गत दिवस सुबह 10.30 बजे बेटे पंकज राय ने चोरी की सूचना दी। सूचना पाकर वह अपने बुआ के लड़के बंसत राय के साथ अपने घर ग्राम दर्शनी आयी तो देखा मेनगेट का ताला तथा अंदर दो कमरो का ताला टूटा था तथा आलमारी मे रखा एक सोने का पुराना माला एवं एक जोड़ी पुरानी चांदी की पायल तथा संतान साते की सात चूड़ी एवं कुछ रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

अवैध उत्खनन की रेत से भरा डंपर जब्त

जबलपुर । गोसलपुर थाना अतंर्गत बुढ़ागर तालाब की मेढ़ के पास अवैध रुप से रेत उत्खनन कर परिवहन कर जा रहे एक डंपर को पुलिस ने जब्त किया है वहीं डंपर चालक पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया। गोसलपुर थाना प्रभारी श्रीमति गाजीवती पुसाम ने बताया कि गत दिवस देवनगर से बुढ़ागर तालाब जा रहा एक बिना नंबर के डंपर को पुलिस ने रोका, जिसका चालक पुलिस को देखकर डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से रेत से भरा डंपर जब्त करते हुए आरोपी चालक के विरुद्ध धारा 303(2), 317(5) बीएनएस 4/21 खान खनिज अधि.एवं 77/177 एमव्हीएक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

346 पाव देशी शराब व एक्सिस वाहन जब्त

जबलपुर । पाटन पुलिस ने धनेटा जाने वाले जमुनिया नहर के रास्ते से अवैध शराब ले जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 346 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त एक्सिस वाहन जब्त कर ली है। पाटन थाना प्रभारी गोपिन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर जमुनिया नहर के रास्ते में दबिश देकर धनेटा निवासी 20 वर्षीय देवकरण सिंह लोधी को गिरफ्तार कर उसके पास से 346 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त एक्सिस क्रमांक एमपी 20 एक्सए 1389 जब्त कर लिया है। पूछताछ करने पर सहसन निवासी सचिन सिंह लोधी से उक्त शराब प्राप्त करना बताया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरूद्ध 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

अजय सिंह राहुल के दौरे ने फिर उजागर की गुटबाजी

क्या कांग्रेस नगर निगम चुनाव से पहले एकजुट हो पाएगी

जबलपुर । नवप्रदेश

मध्य प्रदेश के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल का गुरुवार को जबलपुर दौरा एक बार फिर शहर कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को सामने ले आया। कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से आए अजय सिंह राहुल के कार्यक्रमों में कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर दिखाई दी। कार्यक्रमों में एक गुट विशेष का प्रभाव अधिक नजर आया, जबकि कई वरिष्ठ नेता और उनके समर्थक पूरी तरह दूरी बनाए रहे। ऐसे में अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या कांग्रेस आगामी नगर निगम चुनाव से पहले खुद को एकजुट कर पाएगी।

अजय सिंह राहुल ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि वे नई कांग्रेस को समझने और समर्पित कार्यकर्ताओं से संवाद करने के लिए संस्कारधानी पहुंचे हैं। हालांकि उनके दौरे के दौरान सामने आई तस्वीरों और राजनीतिक गतिविधियों ने संगठन की अंदरूनी खींचतान को उजागर कर दिया। पार्टी के कई बड़े चेहरे उनके पूरे दौरे में नजर नहीं आए, जिससे यह चर्चा और तेज हो गई कि कांग्रेस अभी भी अलग-अलग गुटों में बंटी हुई है।

नई कार्यकारिणी नहीं कर पाई एकजुट: राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जबलपुर कांग्रेस लंबे समय से गुटीय राजनीति का शिकार रही है। शहर और जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद उम्मीद थी कि संगठन मजबूत होगा और कार्यकर्ताओं में समन्वय बढ़ेगा, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में ज्यादा बदलाव दिखाई नहीं दिया। कार्यकर्ताओं के बीच अब भी असंतोष बना हुआ है और कई लोग संगठनात्मक निर्णयों से खुद को अलग महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को हुए कार्यक्रमों में भी यही तस्वीर सामने आई। एक गुट के नेताओं और समर्थकों की सक्रियता अधिक दिखाई दी, जबकि दूसरे गुट के नेता कार्यक्रम स्थल तक नहीं पहुंचे। कांग्रेस के भीतर यह स्थिति नई नहीं है। महाकौशल क्षेत्र में जब भी बड़े नेताओं का दौरा होता है, तब अक्सर गुटीय शक्ति प्रदर्शन खुलकर सामने आ जाता है।

एक साल बाद चुनाव: कांग्रेस की यह आंतरिक खींचतान ऐसे समय सामने आई है जब अगले एक साल में नगर निगम चुनाव होने हैं। राजनीतिक दृष्टि से यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। भाजपा जहां चुनावी तैयारियों और संगठन विस्तार में जुटी है, वहीं कांग्रेस अब भी अंदरूनी वर्चस्व की लड़ाई से बाहर नहीं निकल पाई है।

पार्टी के भीतर टिकट वितरण से लेकर चुनाव प्रचार तक गुटों का प्रभाव दिखाई देने की संभावना जताई जा रही है। यदि समय रहते संगठनात्मक एकता नहीं बन पाई, तो इसका सीधा असर नगर निगम चुनाव के परिणामों पर पड़ सकता है। कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि पार्टी के भीतर संवाद की कमी और समन्वय का अभाव कांग्रेस को लगातार कमजोर कर रहा है।

एक शहर में कई कांग्रेस: शहर में होने वाले आंदोलनों और सामाजिक कार्यक्रमों में भी कांग्रेस अक्सर एकजुट नजर नहीं आती। कई बार अलग-अलग गुट एक ही मुद्दे पर अलग-अलग कार्यक्रम करते दिखाई देते हैं। इससे न केवल संगठन की छवि प्रभावित होती है, बल्कि आम कार्यकर्ताओं में भी भ्रम की स्थिति बनती है।

जबलपुर विजिलेंस जांच में खुलासा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में वित्तीय अनियमितता

जबलपुर । नवप्रदेश

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में जबलपुर मुख्यालय की विजिलेंस टीम की जांच के बाद वित्तीय अनियमितता का खुलासा किया है। रेलवे की विजिलेंस विभाग ने जांच के बाद इस गड़बड़ी का खुलासा किया, जिसमें कहा गया है कि अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना और ओपन लाइन के कार्यों में लगे 17 ठेकेदारों को 2 करोड़ 36 लाख रुपए अधिक भुगतान कर दिया गया। विजिलेंस विभाग की जांच रिपोर्ट आने के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मुख्यालय ने इस अतिरिक्त भुगतान की वसूली के लिए कोटा मंडल के रेल अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं।

दरअसल इस पूरे विवाद के पीछे टेंडर के दस्तावेजों में दी गई दरों में विसंगति पाई गई है। रेलवे ने अमृत भारत योजना के तहत स्टेशनों के सौन्दर्यीकरण के लिए लाल पत्थर, पत्थर की जालियां और पुट्टी का काम करवाया था। टेंडर डॉक्युमेंट्स में इन मदों के लिए शेड्यूल और नॉन शेड्यूल वर्ग में अलग-अलग दरें अंकित थीं। ठेकेदारों ने मौके का फायदा उठाते हुए ऊंची दरों वाले कॉलम के अनुसार अपनी निविदाएं भरीं। रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों ने भी बिना किसी आपत्ति के इन बिलों को पास कर दिया और ठेकेदारों के खातों में करोड़ों रुपए का भुगतान कर दिया गया। विजिलेंस की जांच में पाया गया कि बूंदी, झालावाड़ सिटी, भवानीमंडी, गरोठ, विक्रमगढ़ आलोट और हिंडौन सिटी स्टेशनों पर करीब 139 लाख रुपए का ज्यादा भुगतान हुआ है। इसके अलावा गंगापुर सिटी, मांडलगढ़, शामगढ़, सवाई माधोपुर, रामगंजमंडी, बारां, भरतपुर, बयाना और छबड़ा गुगोर स्टेशनों सहित कुछ ओपन लाइन कार्यों में भी 97 लाख 77 हजार रुपए की अतिरिक्त राशि दी गई।

ठेकेदार कानूनी लड़ाई लड़ने तैयार

अब रेलवे प्रशासन ठेकेदारों के वर्तमान या भविष्य के बिलों से इस राशि को काटने की तैयारी कर रहा है। दूसरी ओर ठेकेदारों ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने वही दरें भरी थीं जो रेलवे के दस्तावेजों में मौजूद थीं। उनका तर्क है कि अगर एक ही काम की दो दरें थीं, तो यह रेलवे की तकनीकी गलती है। ठेकेदारों ने चेतावनी दी है कि यदि जबरन वसूली की गई तो वे कानूनी लड़ाई लड़ने न्यायालय की शरण लेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत आज

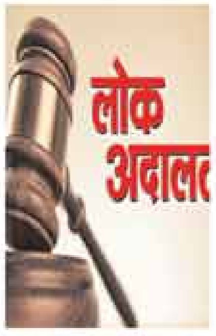

जबलपुर । नवप्रदेश

आम नागरिकों को सस्ता, सरल और त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से आज शनिवार, 9 मई को जिला न्यायालय जबलपुर, तहसील न्यायालय पाटन व सिहोरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह केवल एक न्यायिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज में सौहार्द, समझौते और विश्वास को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आयोजित यह लोक अदालत, प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कृष्णमूर्ति मिश्र के नेतृत्व में संपन्न होगी। सभी न्यायाधीशगणों को प्रेरित किया गया है कि वे अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कर, लोगों को शीघ्र न्याय दिलाने में योगदान दें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शक्ति बर्मा ने जानकारी दी कि इस लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य प्रकरण, सिविल विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, भरण-पोषण, चेक बाउंस, श्रम विवाद, पारिवारिक एवं वैवाहिक प्रकरण सहित अनेक मामलों का समाधान आपसी सहमति से किया जाएगा। इसके साथ ही बैंक, नगर पालिका, विद्युत विभाग व बीएसएनएल से जुड़े प्रीलिटिगेशन मामलों का भी निपटारा किया जाएगा।

जमीन बंटवारे विवाद को चुनौती, नोटिस जारी जवाब तलब

जबलपुर । जमीन बंटवारे के विवाद पर एक याचिका दायर कर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए, अपर कलेक्टर छतरपुर तथा अनुविभागीय अधिकारी लवकुश नगर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। यह याचिका चंदला छतरपुर निवासी राजेंद्र अहिरवार की ओर से दायर की गई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय को बताया गया कि याचिकाकर्ता की पैतृक कृषि भूमि है जिस पर वे 50 वर्षों से काबिज हैं। किंतु उक्त भूमि के सह खातेदार नत्थू द्वारा बंटवारा पेश कर मुख्य-2 भूमि अपने नाम पटवारी से सांठ-गांठ कर अपने नाम करवा लिया जिसकी न तो याचिकाकर्ता को कोई जानकारी नहीं दी गई। जिसे अनुचित व असंवैधानिक बताया गया।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने 106 गुमे मोबाइल धारको को लौटाए

जबलपुर । नवप्रदेश

गुम हुए मोबाइल फोन तलाश कर लोगों को वापस सौंपने के लिए जबलपुर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर साइबर सेल ने सीईआईआर पोर्टल की मदद से 106 गुम मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई गई है।

गुरुवार को एसपी सम्पत उपाध्याय ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह की मौजूदगी में मोबाइल धारकों को उनके फोन वापस सौंपे। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस का आभार जताया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराएं और सीईआईआर पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। वहीं साइबर फ्रॉड होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन 1930 या साइबर सेल जबलपुर के हेल्पलाइन नंबर 7701050010 पर संपर्क करें। जबलपुर पुलिस ने लोगों को ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा है कि व्हाट्सएप पर आने वाले निवेश ऑफर, एपीके फाइल को डाउनलोड/इंस्टाल न करें।

रेलवे कोचिंग डिपो के सामने लगा लंबा जाम

कांचघर रोड पर कचरा गाड़ी कीचड़ में धंसी

जबलपुर । नवप्रदेश

अमृत परियोजना-2 के तहत पाईप लाईन बिछाने के लिए खोदी गई रेलवे पुल नंबर 1 से कांचघर की सड़क पूरी तरह मिट चुकी है। सड़क नाम की चीज नहीं बची है। इस मार्ग में लगातार जाम के हालात बन रहे है।

इसी मार्ग में स्थित रेलवे के कोचिंग डिपो के सामने लगाए गए मिट्टी के ढेर से कीचड़ मच रहा है। शुक्रवार की दोपहर मिट्टी में एक कचरा वाहन फंसने से काफी लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

बताया गया है कि पिछले दो महिने से अधिक समय से यहां कछुआ गति से पाईप लाईन डालने का काम चल रहा है। लेकिन रोड सुधारने की सुध किसी को नहीं आ रही है। पाईप लाईन की वजह से खोदी गई सड़क चलने के लिए बमुश्किल 5 से 6 फुट बची है। बाकी सड़क पर कीचड मिट्टी पड़ी है। मौसम की खराबी के कारण बारिश होने पर कीचड़ मच जाता है। इस मार्ग पर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे के लगभग कोचिंग डिपो के सामने कचरे वाली गाड़ी के दो पहिए कीचड़ में फंस गए, जिससे जाम लग गया। 1 घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे, बाद में दूसरी अन्य कचरा गाड़ी से टोचन करके फंसे वाहन को निकाला गया।

इस मार्ग पर पहले भी दो वाहन धंस चुके है। इसके बावजूद मार्ग सुधार की रोड ठेकेदार या नगरनिगम द्वारा कारगार कदम नहीं उठाए जा रहे है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

जबलपुर में होटल में मिली अज्ञात महिला की लाश, संदिग्ध मौत से सनसनी

जबलपुर । नवप्रदेश

जबलपुर के धनवंतरी नगर पुलिस चौकी अंतर्गत धनवंतरी नगर चौराहे के समीप स्थित होटल रिलैक्स इन में एक अज्ञात महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंच गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला होटल के एक कमरे में मृत अवस्था में मिली है। वह कौन है तथा उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई है, इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए होटल प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि होटल संचालक द्वारा महिला का आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र नहीं लिया गया था, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस द्वारा होटल स्टाफ और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि महिला की पहचान और उसकी मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। एसएफएल टीम और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को भी मौके पर बुलाया गया है। टीम द्वारा कमरे से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और हर एंगल से जांच की जा रही है।

फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। वहीं होटल में बिना वैध दस्तावेज के कमरा देने को लेकर होटल प्रबंधन की लापरवाही भी जांच के घेरे में आ गई है।

जनसमस्या निवारण शिविर में योजनाओं के त्वरित लाभ वितरण पर दिया जोर

मुंगेली/नवप्रदेश। आदर्श कृषि उपज मंडी परिसर में जनसमस्या निवरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका से संबंधित कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें राशन कार्ड, सफाई व्यवस्था, नाली निर्माण, आवास, पेयजल एवं स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। प्राप्त आवेदनों में से 09 आवेदनों का तत्काल निराकरण करते हुए सफाई एवं पेयजल व्यवस्था सुचारू की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विधायक पुन्नू लाल मोहले ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बन रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे। विधायक ने लंबित ई-केवाईसी कार्यों का शीघ्र निराकरण करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी राशन कार्डधारी समय पर ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, ताकि खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने जिले की बिजली एवं पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि जल संरक्षण के लिए आमजनों को जागरूक करते हुए कहा कि बिन पानी जीवन असंभव है÷, इसलिए जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जल शक्ति अभियान के तहत रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए अभी से गंभीर प्रयास करने होंगे। कलेक्टर ने मानसून पूर्व विद्युत व्यवस्था के सुधार एवं मरम्मत कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करने तथा विद्युत सुरक्षा को

सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एआई के इस दौर में संवेदनशीलता ही प्रशासन की सबसे बड़ी ताकत है। मुंगेली शहर में अवैध प्लाटिंग पर सख्ती बरतने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

कार्यक्रम में 03 हितग्राहियों को पीएम आवास योजना की चाबी, 05 को भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र, 04 आयुष्मान कार्ड, 01 वय वंदना कार्ड, 03 आभा कार्ड, 18 नोनी सुरक्षा योजना प्रमाण पत्र, 05 किसानों को अरहर मिनी किट, 17 श्रम कार्ड, 06 राशनकार्ड, 04 को जन्म प्रमाण पत्र, कक्षा 10वीं और 12वीं के 12 विद्यार्थियों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। साथ ही 05 विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश वितरण कर लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्क्षय दिनानाथ केशरवानी, गिरीश शुक्ला, नगर पालिका अध्क्षय रोहित शुक्ला उपाध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा, डीएफओ अभिनव कुमार, अतरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, एसडीएम अजय शतरंज, सीएमओ अंकुर सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

शतरंज संघ के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का सातवां दिन संपन्न

मुंगेली/नवप्रदेश। शतरंज संघ द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर का आज सातवां दिन सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर स्थानीय आगर हाई स्कूल, दाऊपारा में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के सातवां दिन कुल 21 बच्चों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान कोच और वरिष्ठ सदस्यों ने बच्चों को शतरंज खेल की बुनियादी रणनीतियों नियमो व मैच अभ्यास से अवगत कराया। प्रशिक्षण शिविर का समय प्रतिदिन सुबह 07:30 से 09:30 बजे तक निर्धारित है।

प्रयास आवासीय विद्यालय कक्षा 9वीं के लिए चयन परीक्षा 10 मई को

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं हेतु प्रयास प्राक्चयन परीक्षा 10 मई 2026 को समय प्रातः 10:00 से 01:00 बजे अम्बिकापुर शहर के पांच केन्द्रों में आयोजित होगी। एकलव्य आवसीय विद्यालय रिखी कन्या शिक्षा परिसर अम्बिकापुर में अनुक्रमांक 4311001 से 4311387, एकलव्य आवसीय विद्यालय लुण्ड्रा प्रतापपुर रोड घंघरी अम्बिकापुर में अनुक्रमांक 4312001 से 4312218 तक, कार्मेल स्कूल नमनाकला रिंग रोड अम्बिकापुर में अनुक्रमांक 4313001 से 4313600 तक, न्यू डी.पी.एस. स्कूल प्रतापपुर रोड अम्बिकापुर में 4314001 से 4314386 तक एवं प्रयास आवासीय विद्यालय प्रतापपुर रोड घंघरी में अनुक्रमांक 4315001 से 4315801 तक के परीक्षार्थी शामिल होंगे। उन्होंने परीक्षा में सम्मिलित सभी परीक्षार्थी एवं उनके पालकों को सूचित किया है कि परीक्षा का समय दिनांक एवं परीक्षा केन्द्रों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केन्द्र में रिपोर्टिंग समय 08:00 बजे से 09:30 बजे तक निर्धारित है।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 12 लाख रुपए की राशि स्वीकृत

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। अपर कलेक्टर सरगुजा द्वारा प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिसमें तहसील अम्बिकापुर के नर्मदापारा निवासी राजेश्वर कुमार राजवाड़े की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस रामबाई राजवाड़े, तहसील अम्बिकापुर के मेण्ड्राकला निवासी राजेश राजवाड़े की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस जुगेश्वरी राजवाड़े एवं तहसील दरिमा के कर्रा निवासी अनिल की मृत्यु आकाशीय बिजली से होने पर उनके वारिस राखी को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इस राशि की मंजूरी राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 संशोधित प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत दी गई है।

चिरमिरी की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

अंबिकापुर/नवप्रदेश। शहर की लंबे समय से लंबित मूलभूत समस्याओं और विकास कार्यों की अनदेखी के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को विशाल धरना-प्रदर्शन और आंदोलन आयोजित किया। आंदोलन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर शहर की जमीनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पूरे दिन चले आंदोलन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों पर विकास कार्यों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए विभिन्न जनहित मुद्दों के जल्द समाधान की मांग की। आंदोलन की शुरुआत सुबह 10 बजे धरना-प्रदर्शन से हुई, जहां कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर इकट्?ठा हुए। इसके बाद दोपहर 3 बजे आयोजित आमसभा में नेताओं ने चिरमिरी की बदहाल स्थिति पर चिंता व्यक्त की। वहीं शाम 5 बजे आंदोलनकारियों ने चक्का जाम कर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चिरमिरी जैसे महत्वपूर्ण शहर को लंबे समय से विकास से वंचित रखा है। शहर की अधिकांश सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दौरान स्थिति और खराब हो जाती है। कांग्रेस ने सभी मुख्य सड़कों का तत्काल पक्कीकरण कराने की मांग उठाई। धरना-प्रदर्शन में पेयजल संकट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। नेताओं ने कहा कि कई वार्डों में नियमित जलापूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। इसके साथ ही जिले के प्रमुख कार्यालयों को चिरमिरी में स्थानांतरित करने, एसईसीएल द्वारा विकास कार्यों पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने तथा शहर के विकास कार्यों को गति देने की मांग की गई। बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने की मांग कांग्रेस नेताओं ने शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने चिरमिरी में शासकीय बीएड और लॉ कॉलेज की स्थापना, जिला अस्पताल में ब्लड बैंक और डायलिसिस सुविधा शुरू करने की मांग रखी।

जनगणना कार्य का किया निरीक्षण गुणवत्तापूर्ण सर्वेक्षण के दिए निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मनोज पिंगुआ आज शुक्रवार को सरगुजा जिला प्रवास पर रहे। उन्होंने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। अम्बिकापुर शहरी क्षेत्र में ईरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 25, रामानुज वार्ड क्रमांक 33 तथा ग्रामीण क्षेत्र में चठीरमा पहुंचकर उन्होंने प्रगणकों द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्य की जानकारी ली तथा घर-घर जाकर किए जा रहे मकान सूचीकरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया।

उन्होंने प्रगणकों द्वारा तैयार नक्शों का अवलोकन करते हुए कहा कि सटीक नक्शा तैयार कर जनगणना कार्य करें। उन्होंने अब तक की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए सभी जानकारी नागरिकों की सहमति से सटीक रूप से दर्ज की जाए। उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रगणकों को नागरिकों से विनम्र संवाद स्थापित करने, गोपनीयता बनाए रखने तथा प्रत्येक जानकारी को सावधानीपूर्वक दर्ज करने कहा। साथ ही उन्होंने प्रगणकों को निर्देशित करते हुए कहा कि लोगों को जानकारी अवश्य दें कि अनाधिकृत व्यक्ति को किसी प्रकार की जानकारी या ओटीपी ना दिया जाए।

पिंगुआ ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं और नीतियों की आधारशिला है। सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को सही दिशा प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक परिवार एवं मकान की सही जानकारी दर्ज करना अत्यंत आवश्यक है। इस दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, अपर कलेक्टर सुनील नायक, नगर निगम आयुक्त डी एन कश्यप सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कन्या विवाह योजना से 45 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आज जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के लमगांव स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 45 नवविवाहित जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर नए वैवाहिक जीवन की शुरुआत की।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। विधायक मिंज ने सभी नवदंपत्तियों को शुभाशीष देते हुए उनके सुखमय एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की गरिमा हैं और शासन बेटियों के सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र एवं उपहार सामग्री प्रदान की गई। योजना अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को 35 हजार रुपए की सहायता राशि भी वितरित की गई। विवाह समारोह में ढोल-नगाड़ों, लोकगीतों एवं फूलों की वर्षा के बीच उत्सवी माहौल बना रहा। वर-वधू एवं उनके परिजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, कृष्णा पावले, जपं अध्यक्ष कंचन जायसवाल, जनपद उपाध्यक्ष सतीश कुमार जायसवाल, जनपद सदस्य पातर साय, सरपंच प्रेमप्रकाश तिर्की, दिलीप प्रजापति, राहुल चोपड़ा, अभिषेक पावले, उपसरपंच मनोज नायक, साजन एक्का, जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान, परियोजना अधिकारी रजनी कुजुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनगणना कार्य तेज, घर-घर पहुंचकर जुटाई जा रही जानकारी

मुंगेली/नवप्रदेश। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत विचारपुर में इन दिनों शासन के आदेशानुसार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जनगणना का कार्य तेजी से चल रहा है, जिसके तहत प्रगणक नियुक्त किये गए शिक्षक गांव के हर मोहल्ले गली में घर घर दस्तक देकर आम जनों से 33 बिंदुओं पर आवश्यक जानकारियां जुटा रहें है।

प्रगणक ने बताया कि ग्राम से जो लोग जीवकोपार्जन के लिए पलायन किये है उनकी आवश्यक जानकारी एकत्र करने में परेशानी हो रही है, जनगणना में पारदर्शिता और आवश्यक जानकारी कि सटिकता सुनिश्चित करने के लिए प्रगणक मुस्तैदी से काम कर रहें है, ग्रामीणों से आवश्यक बिन्दुओ में चर्चा करजानकारी जुटा रहें है, प्रगणक ने बताया कि अभी 100 घरों का जनगणना एकत्र कर लिए है, इस महत्त्व पूर्ण कार्य में ग्राम वासियों ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी से निभाते हुए पूरा सहयोग कर रहे है, मांगी जा रही जानकारी को सहर्ष और स्पष्ट रूप से जानकारी आमजन उपलब्ध करा रहे है. ताकि ग्राम की सम्पूर्ण जानकारी शासन प्रशासन तक पहुँच सके।

अम्बिकापुर में गुटखा थूकने के विवाद पर मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

लखनपुर/नवप्रदेश। पुलिस अपराध में संलग्न अपराधियों पर लगातार कार्यवाही कर रही है इसी कड़ी में घटना का संक्षिप्त 02. मई2026 को आवेदक पंकज शुक्ला पिता रविशंकर शुक्ला उम्र 36 वर्ष निवासी नमनाकला अम्बिकापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि आवेदक अपने साथी मनीष अम्बस्ट एवं रानू पाण्डेय के साथ गांधी चौक के पास पान दुकान में खड़े थे जहां अनिकेत त्रिपाठी ने गुटका खाकर थूकने के विवाद पर अनिकेत त्रिपाठी अपने साथी मजहर खान, जय सोनी, ओम सोनी, सबने शांति भंग करने के

मकसद से आवेदक को सार्वनिक स्थान पर गंदी गंदी अश्लील गालिया बकते हुए, अपमानित किया इतना ही नहीं हांथ मुक्का एवं कड़ा से मारपीट भी किया है जिससे प्रार्थी को सिर में चोटें आई है। प्राथी की रिपोर्ट पर थाना अम्बिकापुर में अपराध क्र- 278/2026 धारा 296,351, 115(2),191(2),352 बी.एन.एस. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान प्रार्थी का डाक्टरी मुलाहिजा कराया गया। प्रकरण के आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार थे। पुलिस टीम ने 05.मई .2026 को आरोपी मजहर खान के संभावित ठिकानों पर दबिश देते पता तलाश किये। मजहरखान अपने परिचित के मकान रसुलपुर में मिला जहां आरोपी मजहर खान वल्द सेराज उर्फ, सिराज, उर्फ सिराजुद्दीन अंसारी, उम्र 37 वर्ष निवासी इमलीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा एवं 02 नाबालिग को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

20 पंचायतों के लिए जनसमस्या निवारण शिविर का होगा आयोजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। 'सुशासन तिहार-2026' अंतर्गत 9 मई को जिले के ग्रामीण क्षेत्र में दो जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित होंगे। विकासखण्ड बतौली में शिविर स्थल घोघरा में शिविर लगेगा। जिसमें 14 ग्राम पंचायतों घोघरा, मानपुर, शिवपुर, टेड़गा, सल्याडीह, बांसाझाल, टीरंग, बोदा, बिलासपुर, घुटरापारा, तरागी, ललाती, पोपरेंगा, सिलमा के ग्रामीण अपने मांगो एवं शिकायतों सम्बन्धी आवेदन देंगे। शिविर प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी सीतापुर एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं बतौली होंगे। इसी प्रकार विखं लुण्ड्रा में शिविर स्थल झेराडीह (प्रा.शा. व पंचायत भवन परिसर) में शिविर होगा। जिसमें 20 ग्राम पंचायतों झेराडीह, बरगीडीह, गढ़बीरा, तुरियाबिरा, सिलसिला, लमगांव, असकला, कोट, गंगापुर, ऊंचडीह, गेरसा, जरहाडीह, डहौली, खाराकोना, उरदरा, महोरा, जराकेला, ससौली, जामडीह, दोरना के ग्रामीण अपने मांगो एवं शिकायतों सम्बन्धी आवेदन देंगे।

यातायात और मूलभूत व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम के दिए निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 10 मई को प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दौरे के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा। इसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के

निर्देश दिए। उन्होंने पार्किंग, यातायात व्यवस्था, कानून व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, ग्रीन रूम, मुख्य मंच, बेरिकेडिंग एवं आमजन की सुरक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल की सतत मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यक तैयारियां समय सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के सफ्ल संचालन हेतु जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय को नोडल अधिकारी तथा एसडीएम मुंगेली अजय शतरंज को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।बैठक में वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल.यादव, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, पथरिया एसडीएम रेखा चंद्रा, डिप्टी कलेक्टर मायानंद चंद्रा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पेज 1 का शेष...

एक्टर विजय का ...

6 मई को विजय ने आर्लेकर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। लेकिन तब उनके पास सिर्फ 113 विधायकों का समर्थन था। 7 मई को राज्यपाल ने विजय से कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाने के बाद भी वे उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे। टीवीके को बहुमत नहीं मिलने के केस में डीएमके और द्धस्न्ध में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं।

अमेरिका ने सीजफायर...

अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी द्धस्ह्र के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री

को लागू कराने जरूरत पड़ी तो नर्क भी एक कर दूंगा मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन ने इस पर क?ा रुख अपनाते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। उन्होंने यहां तक कहा था- ÷अदालत के आदेश को लागू कराने के लिए जरूरत प?ी तो मैं नर्क भी एक कर दूंगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन किया था। एसआईटी ने अपनी जांच पूरी कर मंत्री के खिलाफ केस चलाने (अभियोजन) के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी है, जो पिछले दो हफ्तों से लंबित है।

अभी तक किसानों को उपार्जित

के फोटोग्राफ्स भारत सरकार के क्क्रस्क पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ की भर्ती जूट बारदाने के साथ साथ क्कक्क ॥ष्ठक्क बेग एवं जूट के एक भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण किया जा सके।

रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा

परिसर में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पी?ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि ÷सेवा ही सर्वोच्च धर्म है।

सीएम यादव ने नई दिल्ली में

में मध्यप्रदेश की उपलब्धियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए श्री प्रधान को बताया कि मध्यप्रदेश में सर्वप्रथम नीति का क्रियान्वयन कर अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान को बताया कि राज्य सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण सुधार, भारतीय ज्ञान परंपरा, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल

निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि

प्याज की तरह सारे महाद्वीप परत-दर-परत छीले, क्या फटने वाला है बहुत बड़ा ज्वालामुखी?

नई दिल्ली/ए.। यानी निचले हिस्से को प्याज की तरह एक-एक करके परत-दर-परत निकाल रही है. इस प्रोसेस से निकलने वाला पदार्थ समुद्र के नीचे वाले मैंटल में जा रहा है। यानी पृथ्वी की दूसरी लेयर में. इस सामग्री के कारण समुद्र के बीच बने ज्वालामुखी द्वीपों में बार-बार विस्फोट हो रहे हैं। जा रहे हैं, क्या फटने वाला है बहुत बड़ा ज्वालामुखी? साउथेम्पटन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने यह रिसर्च की है। अध्ययन नेचर जियोसाइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि महाद्वीप सिर्फऊपर से नहीं टूटते, बल्कि उनके नीचे का हिस्सा भी छिलकर मैंटल में चला जाता है. यह सामग्री लाखों साल तक ज्वालामुखी गतिविधि को चलाती रहती है। समुद्र के बीच बने कई द्वीपों जैसे क्रिसमस आइलैंड में ऐसी रासायनिक चीजें पाई जाती हैं जो आमतौर पर सिर्फ महाद्वीपों में होती हैं। वैज्ञानिकों को यह बात हमेशा हैरान करती थी कि महाद्वीप से इतनी दूर समुद्र के बीच ये चीजें कहां से आ रही हैं। अब इस नई खोज ने इसका जवाब दे दिया है। जब महाद्वीप टूटते हैं तो पृथ्वी के अंदर गहरे में बहुत तनाव पैदा होता है. इससे 150 से 200 किलोमीटर की गहराई पर मेंटल वेव यानी मैंटल लहर बनती है। यह लहर बहुत धीरे-धीरे चलती है- लगभग घोंघे की गति का दस लाखवां हिस्सा. यह लहर महाद्वीप के नीचे की सामग्री को छीलती है। उसे 1000 किलोमीटर तक दूर समुद्री मैंटल में ले जाती है. वहां पहुंचकर यह सामग्री पिघलती है. ज्वालामुखी शुरू कर देती है. यह प्रक्रिया लाखों साल तक चलती रहती है।

वैज्ञानिकों ने गोंडवाना महाद्वीप के टूटने के बाद हिंद महासागर में हुई ज्वालामुखी गतिविधि का अध्ययन किया। जब गोंडवाना टूटा तो महाद्वीप के नीचे से बहुत सारी सामग्री छिलकर समुद्र के अंदर चली गई। इसके कारण भारतीय महासागर के सीमाउंट इलाके में लगातार ज्वालामुखी फटे. समय के साथ यह प्रभाव कम होता गया, लेकिन आज भी उसके रासायनिक निशान मौजूद हैं। पहले वैज्ञानिक मानते थे कि समुद्री ज्वालामुखी या तो टेक्टॉनिक प्लेट्स के धंसने या गहरे मैंटल प्ल्यूम से बनते हैं. लेकिन नई खोज बताती है कि महाद्वीपों के नीचे से छिलने वाली सामग्री भी इसका बड़ा कारण है। इससे पुरानी थ्योरी को चुनौती मिली है।

146 करोड़ के महाघोटाले का भंडाफोड़, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

■ मजदूरों के पैन कार्ड पर चल रहा था फर्जी खेल

नई दिल्ली/ए.। कानपुर नगर कमिश्नरेट पुलिस ने गुरुवार को वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए इसके मास्टरमाइंड महफूज अली उर्फ 'पप्पू छुरी' को गिरफ्तार कर लिया है। जाजमऊ इलाके से पकड़ा गया यह आरोपी फर्जी कंपनियां बनाकर 146 करोड़ रुपये के अवैध लेनदेन और टैक्स चोरी के इस खेल का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। पुलिस ने इस सिंडिकेट के असली मास्टरमाइंड के रूप में फिरोज खान नाम के एक वकील की पहचान की है। फिरोज ही इन फर्जी फर्मों के लिए तरस्ञ रजिस्ट्रेशन और अन्य कानूनी कागजात तैयार करवाता था। पुलिस अब फिरोज और उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। महफूज अली के खिलाफपहले से ही छह आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मजदूरों के नाम पर शेल कंपनियां और 68 बैंक खाते

पुलिस की जांच में सामने आया कि यह गैंग बेहद शातिर तरीके से काम करता था। ये लोग कम पढ़े-लिखे मजदूरों को झांसा देकर उनके PAN कार्ड हासिल करते थे और उनके नाम पर फर्जी कंपनियां रजिस्टर कराते थे। चकेरी पुलिस, साइबर सेल और सर्विलांस यूनिट की संयुक्त कार्रवाई में पता चला कि अकेले 'अफीसा एंटरप्राइजेज' नामक एक फर्म के जरिए ही 146 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन किया गया। महफूज ने अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर लगभग 68 बैंक खाते खुलवा रखे थे।

स्क्रैप और बूचड़खाने के धंधे से जुड़ा है कनेक्शन

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस रैकेट का इस्तेमाल मुख्य रूप से स्क्रैप और बूचड़खाने के कारोबार से जुड़े लोग पैसा घुमाने के लिए कर रहे थे। महफूज इन फर्जी खातों में पैसा मंगवाता था और फिर कैश निकालकर अपना कमीशन काटकर वापस कर देता था। यह पूरा खेल तरस्ञ चोरी, इनकम टैक्स फ्रॉड और हवाला के जरिए अंजाम दिया जा रहा था।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्पः मोदी

दिव्य प्रभास की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान: पीएम मोदी

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई (सोमवार) को सोमनाथ मंदिर के दौरे पर जाएंगे। जहां वो विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। पीएम मोदी ने लिखा कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 11 मई को मुझे एक बार फिर वहां जाने का सौभाग्य मिलने वाला है। यह अवसर हमें स्मरण कराता है कि इस पावनस्थल की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए किस प्रकार देश की कई पीढ़ियों ने निरंतर संघर्ष किया। देशवासियों के नाम इस पत्र में मैंने भव्य-दिव्य सोमनाथ धाम को समर्पित अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। पीएम मोदी ने आगे लिखा- सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैः प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

पीएम ने महान विभूतियों के योगदान का किया उल्लेख

पीएम मोदी ने आगे लिखा कि यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था।

कांग्रेस के डीएमके से नाता तोड़ने पर अखिलेश यादव ने कसा तंज

नई दिल्ली/ए.। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। चुनाव में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला, जिसके बाद सरकार गठन को लेकर लगातार बैठकों और राजनीतिक बातचीत का दौर जारी है। इसी बीच कांग्रेस ने DMK से अलग होकर अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम को समर्थन देने का फैसला किया है। कांग्रेस के इस कदम के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। अखिलेश यादव ने यह बात सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी (Mamata Banerjee) और एमके स्टालिन के साथ तस्वीर साझा करते हुए कही। उनके बयान को कांग्रेस के फैसले पर तंज माना जा रहा है। तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। विजय की TVK सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसके पास 108 सीटें हैं। कांग्रेस के 5 विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 112 तक पहुंच गई है। अब सरकार बनाने के लिए ञ्रङ्क्य को कुछ और विधायकों के समर्थन की जरूरत है। इसी को लेकर वामपंथी दलों और अन्य पार्टियों

के साथ बातचीत जारी है। चेन्नई में CPI(M) और CPI की बैठकें हो रही हैं। दोनों पार्टियों के पास 2-2 विधायक हैं। इसके अलावा ड्रूष्य पार्टी के भी 2 विधायक हैं। अगर ये सभी दल ञ्रङ्क्य को समर्थन देते हैं तो विजय आसानी से बहुमत का आंकड़ा पार कर सकते हैं। TVK के नेताओं ने समर्थन जुटाने के लिए CPI नेताओं से मुलाकात भी की है। CPI(M) नेताओं ने कहा है कि उन्हें विजय की ओर से समर्थन मांगने वाला पत्र मिला है और इस पर पार्टी बैठक में फैसला लिया जाएगा।

वामपंथी दलों ने यह भी कहा कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते राज्यपाल को विजय को सरकार बनाने का मौका देना चाहिए। उन्होंने राज्यपाल से संविधान के अनुसार फैसला लेने की मांग की है। तमिलनाडु में इस बार के चुनाव ने लंबे समय से चली आ रही छ्रूरू और ऋछ्रूरू की राजनीति को बड़ा झटका दिया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर राज्य में नई सरकार किसकी बनेगी।

ओडिशा तट पर 'तारा' की परीक्षण उड़ान सफल

नई दिल्ली/ए.। भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। स्वदेशी रूप से विकसित ग्लाइड वेपन सिस्टम 'टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज ऑग्मेंटेशन' (TARA) का पहला सफल परीक्षण उड़ान किया गया है। ओडिशा तट के पास गुरुवार को किए गए इस परीक्षण को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और भारतीय वायुसेना ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की प्रिसिजन स्ट्राइक क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। मंत्रालय ने बताया कि इस प्रणाली को हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च सेंटर इमारत ने अन्य डीआरडीओ लैब्स के सहयोग से विकसित किया है। इसका उद्देश्य कम लागत में ऐसे अत्याधुनिक हथियार तैयार करना है, जो दुश्मन के जमीनी ठिकानों को बेहद सटीकता के साथ निशाना बना सकें। विशेषज्ञों के मुताबिक, ग्लाइड वेपन सिस्टम पारंपरिक बमों को आधुनिक गाइडेंस तकनीक से लैस करता है, जिससे वे लंबी दूरी तक जाकर लक्ष्य को अधिक सटीकता से भेद सकते हैं। क्रत्र्य प्रणाली में अत्याधुनिक लेकिन कम लागत वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे भविष्य में भारतीय सशस्त्र बलों को कम खर्च में उच्च क्षमता वाले प्रिसिजन हथियार उपलब्ध हो सकेंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस सफल परीक्षण के दौरान सिस्टम के प्रदर्शन और सभी तकनीकी मानकों का आकलन किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा।

TARA की क्या है खासियत?

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, TARA भारत का पहला स्वदेशी ग्लाइड वेपन सिस्टम है। इसे बिना दिशा-निर्देश वाले वारहेड को अत्यधिक सटीक निशाना साधने वाले प्रिसिजन गाइडेड हथियार में बदलने के लिए विकसित किया गया है। इस तकनीक के जरिए पारंपरिक और कम लागत वाले हथियारों की मारक क्षमता और सटीकता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

नोएडा हिंसा मामला: शीर्ष कोर्ट का छात्रा को जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नोएडा में 13 अप्रैल को हुए मजदूरों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार एक छात्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने आकृति चौधरी की ओर से पेश वकील से कहा कि वह इलाहाबाद हाई कोर्ट में जाएं। पीठ ने कहा, आप हाईकोर्ट क्यों नहीं जाते? हर कोई अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करके यहां आता है। सुप्रीम कोर्ट में 93 हजार मामले पहले से ही लंबित हैं। आकृति चौधरी के वकील ने अदालत को बताया कि पुलिस ने गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए और जमानत की मांग की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि आकृति चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा हैं।

नोएडा की कोर्ट ने दी पुलिस रिमांड की अनुमति

नोएडा की एक कोर्ट ने पहले तीन महिलाओं आकृति चौधरी, मनीषा चौहान और सृष्टि गुप्ता की शर्तों के साथ पुलिस रिमांड की अनुमति दी थी। इन पर 13 अप्रैल के औद्योगिक मजदूरों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि जांच के दौरान उनके वकीलों को मौजूद रहने की अनुमति होगी।

केपीआईटी टेक्नोलॉजीज के संस्थापक रवि पंडित का निधन, लाहिरी बने नीति आयोग के उपाध्यक्ष

■ लाहिरी ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। केपीआईटी टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. एस.बी. (रवि) पंडित का शुक्रवार को पुणे में 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, जिसकी आधिकारिक जानकारी कंपनी द्वारा एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई है। ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर, ऑटोनॉमस ड्राइविंग और क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में केपीआईटी को 15 देशों में एक वैश्विक मोबिलिटी टेक्नोलॉजी कंपनी के रूप में स्थापित करने के साथ-साथ उन्होंने सार्वजनिक नीति और सतत विकास में भी अहम भूमिका निभाई थी। इस घटनाक्रम के बीच कारोबारी सत्र में बीएसई पर केपीआईटी के शेयर 0.61 प्रतिशत की मामूली बढ़त

के साथ 726 रुपये पर कारोबार कर रहे थे, जिसका 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,433 रुपये और न्यूनतम स्तर 625 रुपये रहा है। इसी सप्ताह जारी कंपनी के नवीनतम वित्तीय परिणामों के अनुसार, मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 33 प्रतिशत घटकर 163 करोड़ रुपये रह गया है, जो पिछले वर्ष 245 करोड़ रुपये था। हालांकि, लाभ में इस गिरावट के बावजूद वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में परिचालन राजस्व 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1,528 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,711 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी ने शुक्रवार को नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। लाहिरी ने सुमन बेरी की जगह ली। लाहिरी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य हैं। नीति आयोग ने एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ÷शिक्षा जगत, सार्वजनिक संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में उनका अनुभव साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में नीति आयोग के प्रयासों को और मजबूत करेगा।÷ नीति आयोग ने आगे कहा कि वह भारत के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में रणनीतिक नीतिगत पहलों का समर्थन करने में उनके योगदान की उम्मीद करता है।

हनी ट्रैप के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने सख्त किए नियम

खिलाड़ियों के कमरे में प्रवेश हुआ मुश्किल, फ्रेंचाइजी के मालिक भी नहीं कर पाएंगे बात

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने आईपीएल मैच के दौरान फ्रेंचाइची मालिकों को खिलाड़ियों से बातचीत करने से रोक दिया है.बोर्ड ने कहा कि ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक मैच के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करने, उनके पास जाने, उन्हें गले लगाने या किसी अन्य प्रकार से शारीरिक रूप से संपर्क करने का प्रयास करते हैं. भले ही ऐसा व्यवहार सद्भावना से किया गया हो, लेकिन यह प्रोटोकॉल का सीधा उल्लंघन है. बीसीसीआई ने कहा है कि सभी फ्रेंचाइजी मालिकों को आईपीएल के पीएमओए प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा. किसी भी प्रकार के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा. रियान पराग का ई-सिगरेट पीते हुए वीडियो वायरल

होने के बाद बोर्ड की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। आईपीएल में हनी ट्रैप के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है. बीसीसीआई ने आईपीएल की सभी टीमों को पत्र लिखकर यह जानकारी दी है.बीसीसीआई की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) ने दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की घटनाओं को उजागर किया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया है। बीसीसीआई ने आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए जारी एक पत्र में कहा है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों के कमरों में मेहमानों के प्रवेश के लिए टीम मैनेजरों से लिखित अनुमति लेना जरूरी होगा. पीटीआई न्यूज एजेंसी के अनुसार बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को पत्र लिखकर इस बारे में जानकारी दी है.सैकिया ने पत्र में कहा है कि इस सीजन में कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल में अनुशासन और प्रोटोकॉल बनाये रखना है।

युवाओं में क्रिएटिव करियर के बढ़ते आकर्षण

अहमदाबाद। इस वर्ष रचनात्मक ऊर्जा का एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। तरू यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद की फैकल्टी ऑफडिज़ाइन को करीब 3,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो युवाओं में क्रिएटिव करियर के बढ़ते आकर्षण को दर्शाते हैं। इस बड़ी संख्या में से लगभग 250 अभ्यर्थी अप्रैल में आयोजित लिखित परीक्षा के लिए चयनित हुए हैं, जो प्रवेश प्रक्रिया की प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता दोनों को दर्शाता है।

इस बढ़ती रुचि के पीछे एक प्रमुख कारण है SAE इंस्टीट्यूट, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से GLS यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद में संचालित ग्लोबल B. Design (Hons.) प्रोग्राम–जो भारत में स्रश्व का पहला कैंपस है। यह प्रोग्राम अकादमिक मजबूती के साथ-साथ इंडस्ट्री-आधारित प्रैक्टिकल लर्निंग का अनूठा संयोजन प्रस्तुत करता है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई अहमदाबाद से शुरू

कर सकते हैं और आगे चलकर SAE के 20 से अधिक देशों में फैले कैंपसों में ग्लोबल एक्सपोज़र के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

3D Animation & VFX और Game Development जैसे स्पेशलाइजेशन के साथ, यह प्रोग्राम छात्रों को तेजी से विकसित हो रही क्रिएटिव इंडस्ट्रीज़ के लिए तैयार करता है। साथ ही, आधुनिक लैब्स, फिल्ममेकिंग स्टूडियोज़ और सहयोगात्मक लर्निंग स्पेस छात्रों को प्रयोग करने और वास्तविक दुनिया के अनुभव हासिल करने का अवसर प्रदान करते हैं।

न्यूज गैलरी

खाचरौद में स्कूल पहुंच मार्ग निर्माण कार्य का शुभारंभ, नगर विकास को मिलेगी गति

खाचरौद/नवप्रदेश। नगर पालिका द्वारा शहर में विकास कार्य लगातार जारी हैं। इसी क्रम में नगर पालिका कार्यालय के सामने स्थित इम्पीरियल इंटरनेशनल स्कूल पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा ने किया। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा ने बताया कि नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 3 अंतर्गत आने वाली गली में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराज सिंह पंवार के विशेष आतिथ्य में किया गया। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण से स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा क्षेत्रवासियों को सुविधा मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष दिनेश ठन्ना, पार्षद दशरथ वाकतारिया, पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र धाकड़, बाबू नागर, आनंदीलाल व्यास, संजय व्यास, राजेश भंडारी, बाबूलाल भटेवरा, प्रहलाद भरावा, इम्पीरियल स्कूल के जोशी सर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने किए महाकालेश्वर भगवान के दर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर श्री हरविंदर कल्याण ने शुक्रवार को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भोग आरती में दर्शन लाभ लिया। दर्शन के दौरान उन्होंने विधि-विधान से पूजन कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से श्री कल्याण का मंदिर परिसर में स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान मंदिर प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नागदा में अशुद्ध पेयजल से जनता परेशान, समस्या समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

नागदा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद नागदा क्षेत्र में पिछले कई समय से अशुद्ध पेयजल आपूर्ति को लेकर नागरिकों में भारी नाराजगी है। शहरवासियों का आरोप है कि नलों से गंदा एवं दूषित पानी आने के कारण महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं तथा शासकीय और निजी अस्पतालों में उपचार कराने को मजबूर हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जल विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों तथा प्रशासन को ज्ञापन और आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। अधिमान्य पत्रकार कल्याण संघ की राष्ट्रीय अध्यक्षा जया बघेल ने मांग की है कि जब तक शहर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित नहीं होती, तब तक नागरिकों से जलकर नहीं लिया जाए तथा वर्ष 2026 का जलकर माफ किया जाए। साथ ही टैंकर या अन्य वैकल्पिक व्यवस्था से स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन शहरहित में बड़ा आंदोलन करेगा और आवश्यकता पड़ने पर अनशन भी किया जाएगा।

आज सजेगी 'एक शाम लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के नाम', कालिदास अकादमी में गूंजेंगे सदाबहार गीत

उज्जैन/नवप्रदेश। शहर की सांस्कृतिक संस्था म्यूजिक मैजिक के तत्वावधान में आज शनिवार, 9 मई को 'एक शाम लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के नाम' संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम कालिदास अकादमी के संकुल हॉल में शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा। संस्था के अध्यक्ष एवं निर्देशक सूर्यकांत बरहानपुरकर ने बताया कि इस विशेष संगीतमय संध्या में शहर के प्रतिष्ठित कलाकार प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के लोकप्रिय और सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम में गीत-संगीत प्रेमियों के लिए यादगार माहौल तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर भालचंद्र कुलकर्णी, रविंद्र अयाचित, उल्हास मांजरेकर, एकनाथ पांडे, हिर्देश आचार्य, वृशाली संत-कुलकर्णी, भारती कुलकर्णी, डॉ. कीर्ति देशपांडे, कीर्ति जायसवाल, रघुनाथ सूर्यवंशी, नीललोहित पलशीकर, रंजीत तावरे, डॉ. सचिन कवठेकर, भारत पांचाल एवं ब्रजमोहन खंडेलवाल अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम का संचालन वर्षा कमलाकर एवं स्वाति कालरा करेंगी।

आयुष्मान कार्ड बनवाने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचें, पात्र नागरिकों को मिलेगा 5 लाख तक इलाज लाभ

उज्जैन/नवप्रदेश। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत जिले में पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाए जा रहे हैं। शासन द्वारा अब 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को भी योजना में शामिल किया गया है, जिससे वे भी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ ले सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रतिदिन निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। पात्र नागरिक आधार कार्ड और समग्र आईडी लेकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर कार्ड बनवा सकते हैं। योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज शासकीय अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और चिन्हित निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है। शासन ने सभी पात्र नागरिकों से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: ग्राम मेलानिया में बिलकेश्वर मंदिर घाट का सौंदर्यीकरण

उज्जैन/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उज्जैन जिला इस अभियान के सफल क्रियान्वयन में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल है। इसी क्रम में जनपद पंचायत महिद्पुर के ग्राम पंचायत मालीखेड़ी अंतर्गत ग्राम मेलानिया स्थित बिलकेश्वर मंदिर घाट पर शुक्रवार सुबह साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य किया गया। इस अभियान में जनपद पंचायत सीईओ, ग्राम सरपंच तथा ग्रामीणों ने जनभागीदारी के साथ श्रमदान कर सहयोग दिया। अभियान का उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, स्वच्छता और धार्मिक स्थलों के आसपास पर्यावरण संवर्धन को बढ़ावा देना है।

सीएम यादव के नेतृत्व में फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को मिल रही नई ऊंचाई

उज्जैन संभाग बन रहा देश का बड़ा फूड प्रोसेसिंग हब, 7300 करोड़ निवेश, 5800 से ज्यादा रोजगार

उज्जैन/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन संभाग तेजी से देश के प्रमुख फूड प्रोसेसिंग हब के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार की औद्योगिक नीतियों और निवेश प्रोत्साहन के परिणामस्वरूप यहां खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हुआ है। उपलब्ध औद्योगिक आंकड़ों के अनुसार केवल फूड प्रोसेसिंग और एग्रो आधारित उद्योगों में ही लगभग 7300 करोड़ से अधिक का निवेश और 5800 से ज्यादा रोजगार के अवसर बने हैं। संभाग में स्थापित हो रही फूड प्रोसेसिंग इकाइयों ने इस क्षेत्र की पहचान को पूरी तरह बदलने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। पहले जहां यह क्षेत्र मुख्यतः कृषि उत्पादन के लिए जाना जाता था, वहीं अब यहां कृषि आधारित उद्योगों का तेजी से विस्तार हो रहा है। सोयाबीन, आलू, मसाले, दाल और डेयरी उत्पादों पर आधारित उद्योगों की मजबूत श्रृंखला विकसित हो रही है, जिससे उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग और मार्केटिंग तक एक संपूर्ण वैल्यू चेन तैयार हो रही है। इससे न केवल उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है, बल्कि किसानों को भी अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है। उज्जैन संभाग के सातों जिले उज्जैन, देवास, मंदसौर, नीमच, रतलाम, शाजापुर और आगर-मालवा इस औद्योगिक

विस्तार का हिस्सा बन रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी बल मिल रहा है।इन उद्योगों के स्थापित होने से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को कच्चा माल स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रहा है, जिससे सोयाबीन, आलू, मसाले और दालों की मांग में तेजी आई है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और उनकी आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही, कंपनियां सीधे किसानों से खरीद कर रही हैं, जिससे बिचौलियों की भूमिका कम हो रही है और किसानों को बाजार से बेहतर जुड़ाव मिल रहा है। इससे मध्यप्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और राज्य आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बड़ी कंपनियां दे रहीं बदलाव को नई दिशाफूड प्रोसेसिंग सेक्टर में बड़ी कंपनियों की एंट्री ने इस बदलाव को और गति दी है। पेप्सिको इंडिया होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड, मैकेन फूड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एआरएफएम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, अमिटेक्स एग्रो प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड, विप्पी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आडानी विल्मर लिमिटेड, सोनिक बायोकेम एक्सट्रैक्शन लिमिटेड, सफल फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, महाशियन दी हट्टी प्राइवेट लिमिटेड (एमडीएच), आरईएलएसयूएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इस्कॉन बालाजी फूड प्राइवेट लिमिटेड जैसी बड़ी और विश्वप्रसिद्ध कंपनियां यहां आ चुकी हैं। इससे उज्जैन को नई पहचान मिली। स्वदेशी उत्पादों की विदेशों में धूम देश और राज्य दोनों के लिए यह फूड प्रोसेसिंग हब महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इससे स्वदेशी खाद्य उत्पादों का उत्पादन बढ़ रहा है और निर्यात को भी बढ़ावा मिल रहा है। खाद्य सुरक्षा मजबूत हो रही है और भारत की वैश्विक बाजार में स्थिति बेहतर हो रही है।

विद्यार्थियों को समय पर मिलेंगी किताबें, गुणवत्ता पर रहेगा विशेष ध्यान

पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष सौभाग्य सिंह मंगरोला ने पत्रकारों से की चर्चा, मुख्यमंत्री का जताया आभार

उज्जैन/नवप्रदेश। प्रदेश के विद्यालयों में विद्यार्थियों को समय पर किताबें उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। यह बात मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह मंगरोला ने कही। वे उज्जैन में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। मंगरोला ने निगम की कार्यप्रणाली स्पष्ट करते हुए बताया कि पाठ्य

पुस्तक निगम का मुख्य कार्य पुस्तकों के मुद्रण का है, जबकि पुस्तकों की सामग्री तैयार करने के लिए लेखन समिति अलग से कार्य करती है। उन्होंने कहा कि निगम का विशेष ध्यान इस बात पर रहेगा कि पुस्तकें समय पर मुद्रित हों और उनमें इस्तेमाल किए जाने वाले कागज की गुणवत्ता उत्कृष्ट हो, ताकि विद्यार्थियों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। चर्चा के दौरान निगम अध्यक्ष मंगरोला ने अपनी नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता पर जो महत्वपूर्ण विश्वास जताया है, वे उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

उज्जैन जिले में निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध

बिना अनुमति बोरिंग मशीन प्रवेश पर होगी कार्रवाई

उज्जैन/नवप्रदेश। ग्रीष्म ऋतु में भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिलेभर में अशासकीय एवं निजी नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जारी आदेश के अनुसार अब बिना संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अनुमति के कोई भी बोरिंग मशीन जिले में प्रवेश नहीं कर सकेगी और न ही नया नलकूप खनन कर पाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने वाली मशीनों को जब्त कर एफआईआर दर्ज की जाएगी। हालांकि सार्वजनिक सड़कों से गुजरने वाली मशीनों को इससे छूट रहेगी। समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को आवश्यक एवं अपरिहार्य मामलों में जांच उपरांत अनुमति देने के लिए अधिकृत किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर निजी नलकूपों एवं जलस्रोतों का अधिग्रहण सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था के लिए भी किया जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर प्रथम बार 5 हजार रुपए जुर्माना तथा पुनः उल्लंघन पर 10 हजार रुपए जुर्माना या दो वर्ष तक के कारावास का प्रावधान किया गया है। शासकीय योजनाओं के अंतर्गत होने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा।

कंठाल स्थित संपत्ति खरीद को लेकर सवाल, जांच और जनहित में उपयोग की उठी मांग

उज्जैन/नवप्रदेश। शहर के कंठाल क्षेत्र स्थित एक प्रमुख संपत्ति की खरीद-फरोख्त को लेकर सवाल उठाए गए हैं। स्थानीय स्तर पर मिली शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि उक्त संपत्ति का सौदा विवादित परिस्थितियों में हुआ और इसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि संबंधित ट्रस्ट को आर्थिक आवश्यकता के समय संपत्ति विक्रय प्रक्रिया में आपत्तियां लगाई गईं, जिससे मामला लंबे समय तक लंबित रहा। बाद में उक्त संपत्ति कम कीमत पर खरीदे जाने के आरोप लगाए गए हैं।

इसके साथ ही भवन के सामने के हिस्से में बिना सक्षम अनुमति निर्माण और खुदाई कार्य किए जाने की बात भी सामने आई है। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई है कि पुराना भवन होने के कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से जोखिमपूर्ण हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कराई जाए तथा भविष्य में ऐसी महत्वपूर्ण संपत्तियों का उपयोग जनहित कार्यों, पार्किंग या शासकीय उपयोग के लिए किया जाए।

भूमि पूजन के चार माह बाद भी जनपद भवन के लिए जमीन आवंटन नहीं, अध्यक्ष ने उठाए सवाल

खाचरोद/नवप्रदेश। खाचरोद जनपद पंचायत के नवीन भवन निर्माण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1 जनवरी 2026 को भूमि पूजन किए जाने के बाद भी अब तक भूमि आवंटन नहीं होने पर जनपद पंचायत अध्यक्ष कुं. पृथ्वीराज सिंह पंवार ने नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे प्रशासनिक उदासीनता और प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताया है। जनपद अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री एवं पंचायत मंत्री को भेजे पत्र में कहा कि सर्वे क्रमांक 984, जो जनपद पंचायत की स्वयं की भूमि

है, पर भूमि पूजन हो चुका है। टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है और ठेकेदार निर्माण कार्य के लिए तैयार है, लेकिन स्थानीय राजस्व अधिकारियों द्वारा भूमि आवंटन प्रक्रिया लंबित रखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि 25 मार्च 2026 को जनपद परिषद ने प्रस्ताव क्रमांक 4 पारित कर भूमि आवंटन के लिए कलेक्टर को प्रस्ताव भेजा था, इसके बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं हुई।

पंवार ने आरोप लगाया कि स्थानीय अधिकारियों की हठधर्मिता के कारण 5 करोड़ 25 लाख रुपये लागत से बनने वाले भवन का निर्माण कार्य रुका हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह में भूमि आवंटन नहीं किया गया तो स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जनआंदोलन किया जाएगा।

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जिला अस्पताल में बच्चों का सम्मान

उज्जैन/नवप्रदेश। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में थैलेसीमिया सोसायटी के सहयोग से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों ने केक काटकर खुशी जाहिर की, जिससे कार्यक्रम में उल्लास का माहौल बना रहा। कार्यक्रम में सिविल सर्जन ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए थैलेसीमिया के प्रति

जागरूकता, समय पर जांच तथा नियमित उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय रहते जांच और उपचार से बच्चों को बेहतर जीवन दिया जा सकता है। इस अवसर पर आरएमओ डॉ. निधि जैन, सहायक अस्पताल प्रबंधक श्रीमती वर्षा चौहान, नोडल अधिकारी थैलेसीमिया डॉ. एम.डी. शर्मा, पीजीएमओ डॉ. पूजा गेहलोत सहित चिकित्सकगण एवं अस्पताल स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पीड़ित बच्चों का मनोबल बढ़ाना रहा।

सिंहस्थ 2028 तैयारियां तेज: कान्ह डायवर्सन से शिप्रा होगी निर्मल

जीवनखेड़ी-सिकंदरी मार्ग बनेगा ग्रीन कॉरिडोर

उज्जैन/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संकल्पना के अनुरूप सिंहस्थ 2028 महापर्व की तैयारियां तेज गति से जारी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह एवं कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना तथा जीवनखेड़ी-सिकंदरी सीमेंट कांक्रीट मार्ग निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि कान्ह डायवर्सन परियोजना सिंहस्थ के लिए

अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से कान्ह नदी के दूषित जल को शिप्रा में मिलने से रोका जाएगा। इससे सिंहस्थ महापर्व में साधु-संतों और श्रद्धालुओं को मां शिप्रा के निर्मल एवं स्वच्छ जल से स्नान का सौभाग्य मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए दिन-रात कार्य किया जाए। ग्राम गंगेड़ी स्थित निर्माण स्थल पर अधिकारियों ने टनल निर्माण कार्य और क्रेन के माध्यम से प्री-कास्ट सेगमेंट डालने की प्रक्रिया का जायजा लिया। इंजीनियरों ने बताया कि परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है और जून माह तक महत्वपूर्ण हिस्से को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद अधिकारियों ने जीवनखेड़ी से सिकंदरी तक बन रहे 4.8 किलोमीटर लंबे और 30 मीटर चौड़े सीमेंट कांक्रीट मार्ग का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सड़क के दोनों ओर बड़े आकार के पौधे लगाए जाएं, ताकि यह मार्ग हरियाली से युक्त सुंदर ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित हो सके।

जाट की जिला बदर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का धरना, बड़े आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन/नवप्रदेश। किसान नेता एवं जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट पर प्रशासन द्वारा की गई जिला बदर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस ने शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया। करीब सवा दो घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आदेश तत्काल निरस्त करने की मांग की। धरने का नेतृत्व मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान, विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार तथा शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने किया। ज्ञापन में कहा गया कि अशोक जाट किसानों के अधिकारों के लिए संघर्षरत नेता हैं और उन पर दर्ज प्रकरण जनहित आंदोलनों से जुड़े हैं, जिन्हें राजनीतिक द्वेष के चलते आधार बनाकर जिला बदर की कार्रवाई की गई है। प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान ने चेतावनी दी कि यदि किसान नेताओं पर इस प्रकार की कार्रवाई जारी रही तो पूरे प्रदेश में कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी। साथ ही जिला ग्रामीण एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किए जाने की बात भी कही गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। धरना सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर लगभग सवा एक बजे तक चला। इसी दौरान इंदौर के वरिष्ठ नेता अश्विन जोशी के निधन का समाचार मिलने पर कार्यक्रम को शीघ्र समाप्त कर दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक , मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं -21 , सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल से मुद्रित कर,
ए-182 , शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित मो- 9425237314 , Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)